Kamal.Sandesh kamalsandesh.org KamalSandesh

कमल संदेश

वर्ष-17, अंक-21 01-15 नवंबर, 2022 (पाक्षिक) ₹20

भारत अपने गौरव, वैभव की पुनर्स्थापना कर रहा है: प्रधानमंत्री

'हिमाचल प्रदेश में प्रचंड बहुमत के साथ भाजपा सरकार का पुनः बनना तय'

गुजरात गौरव यात्रा का शुभारंभ

75 जिलों में 75 डिजिटल बैंकिंग इकाइयां राष्ट्र को समर्पित

दिल्ली में 16 अक्टूबर, 2022 को पंच परमेश्वर सम्मेलन के दौरान जन–अभिवादन स्वीकार करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

मेहसाणा (गुजरात) में 12 अक्टूबर, 2022 को एक जनसभा के दौरान भाजपा, गुजरात प्रदेश ने भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा का स्वागत किया

बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश) में 11 अक्टूबर, 2022 को विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

नवसारी, उनाई (गुजरात) में 13 अक्टूबर, 2022 को 'गुजरात गौरव यात्रा' को हरी झंडी दिखाने के बाद एक विशाल रैली को संबोधित करते केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह

हिमाचल प्रदेश के सातौन प्रदेश में 15 अक्टूबर, 2022 को एक विशाल जनसभा को संबोधित करते केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह

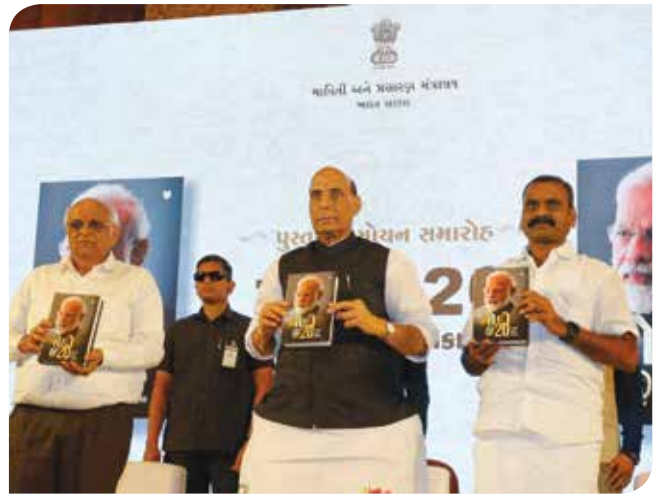

गांधीनगर में 17 अक्टूबर, 2022 को 'मोदी @ 20: ड्रीम्स मीट डिलीवरी' पुस्तक के गुजराती संस्करण का विमोचन करते रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह और गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
प्रभात झा

कार्यकारी संपादक
डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सह संपादक
संजीव कुमार सिन्हा
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
भोला राय

डिजिटल मीडिया
राजीव कुमार
विपुल शर्मा

सदस्यता एवं वितरण
सतीश कुमार

इ-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
फोन: 011-23381428, फैक्स: 011-23387887
वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 भाजपा सरकार हिमाचल प्रदेश को विकसित प्रदेश बनाने के लिए कटिबद्ध है : जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 11 अक्टूबर, 2022 को बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया और कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हिमाचल प्रदेश की...

11 'अब देश में बिकने वाला यूरिया एक ही नाम, एक ही ब्रांड और एक ही गुणवत्ता का होगा'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 17 अक्टूबर को नई दिल्ली में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान...

12 गुजरात के त्रिमंदिर, अडालज में मिशन स्कूल्स ऑफ एक्सीलेंस का शुभारंभ

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 19 अक्टूबर को गुजरात के त्रिमंदिर, अडालज में उत्कृष्ट मिशन स्कूलों...

16 गुजरात ने विकास के नए आयाम स्थापित किये : जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 12 अक्टूबर, 2022 को गुजरात के बहुचाराजी (मेहसाणा) और देवभूमि...

21 उज्जैन में महाकाल लोक परियोजना का पहला चरण राष्ट्र को समर्पित

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 11 अक्टूबर को महाकाल लोक परियोजना के पहले चरण...

वैचारिकी

राष्ट्रीयता कभी मानवता विरोधी नहीं होती / **पं. दीनदयाल उपाध्याय** 26

लेख

सत्यमेव जयते—हमारा मूलमंत्र / **शिव प्रकाश** 30

वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की मजबूत स्थिति / **गोपाल कृष्ण अग्रवाल** 32

अन्य

मंडी और सोलन में 'पंच परमेश्वर सम्मेलन' आयोजित 07

प्रधानमंत्री की हिमाचल प्रदेश में ऊना और चंबा दौरा 08

हिमाचल प्रदेश अब एक नया रिवाज बनाने जा रहा है—'एक बार भाजपा, बार-बार भाजपा': अमित शाह 09

प्रधानमंत्री ने अहमदाबाद में विभिन्न स्वास्थ्य सुविधाओं का किया शुभारंभ 13

प्रधानमंत्री का गुजरात दौरा 14

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी में मिशन लाइफ का शुभारंभ 18

लोकनायक जयप्रकाश नारायण स्मारक का उद्घाटन, सिताबदियारा (बिहार) 19

पंच परमेश्वर रैली, रामलीला मैदान, नई दिल्ली 20

75 जिलों में 75 डिजिटल बैंकिंग इकाइयां राष्ट्र को समर्पित 22

सभी रबी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में भारी वृद्धि, गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 110 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ा 23

कमल पुष्प 28

मोदी स्टोरी 28

प्रधानमंत्री का उत्तराखंड दौरा 29

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा मुद्रित, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, प्लॉट नं.-8, उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.)-201306 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। सम्पादक- प्रभात झा

सोशल मीडिया से

नरेन्द्र मोदी

आज जहां हिमाचल में ड्रोन से जरूरी सामान को दुर्गम क्षेत्रों में पहुंचाया जा रहा है, वहीं वंदे भारत जैसी ट्रेनें भी चलाई जा रही हैं। हम सिर्फ 20वीं सदी की जरूरतें ही पूरी नहीं कर रहे, बल्कि 21वीं सदी की आधुनिक सुविधाएं भी घर-घर ले जा रहे हैं। (13 अक्टूबर, 2022)

जगत प्रकाश नड्डा

आज आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने हिमाचल प्रदेश के ऊना में 'वंदे भारत एक्सप्रेस' के साथ कई विकास कार्यों की सौगात देवभूमि को दी, प्रधानमंत्री जी आभार। प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में हिमाचल आज सभी क्षेत्रों में अत्यंत तेज गति से प्रगति की ओर अग्रसर है। (13 अक्टूबर, 2022)

अमित शाह

मध्य प्रदेश सरकार ने एनईपी-2020 के अनुरूप मेडिकल का पाठ्यक्रम हिंदी में कर मेडिकल शिक्षा में प्रवेश लेने वाले 75 प्रतिशत हिंदी भाषी बच्चों को अपनी मातृभाषा में पढ़ाई करने का अवसर दिया है। मैं सभी मेडिकल कॉलेज के शिक्षकों को धन्यवाद देता हूं, जिनके अथक प्रयत्न से यह कार्य पूर्ण हो पाया। (16 अक्टूबर, 2022)

राजनाथ सिंह

आज गांधीनगर में 'मोदी@20' पुस्तक के गुजराती संस्करण के विमोचन समारोह में भाग लेने का अवसर मिला। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश में विकास की राजनीति और विश्वसनीयता को बढ़ावा दिया है। उनके नेतृत्व में देश की जनता को भरोसा है। यह पुस्तक उनकी कार्यशैली को समझने के लिए बहुत उपयोगी है। (17 अक्टूबर, 2022)

बी.एल. संतोष

चाहे वह मुख्यमंत्री के तौर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी हों, श्री अमित शाह हों या श्री बी.एस. येदियुरप्पा या अन्य नेता हों। इन सभी ने विनम्रतापूर्वक जांच का सामना किया, न्यायिक प्रक्रिया के प्रत्येक चरण का सम्मानपूर्वक पालन किया, कभी भी परिवार को किसी प्रक्रिया का हिस्सा नहीं बनाया, लेकिन अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में इन अराजकतावादियों ने अपने परिवार को भी शर्मसार किया है। (17 अक्टूबर, 2022)

सुधा यादव

'ग्वालियर की राजमाता' और भाजपा के संस्थापक सदस्यों में से एक विजयाराजे सिंधिया जी की जयंती पर उन्हें नमन। सिंधिया जी का जीवन निःस्वार्थ भाव से जनसेवा के लिए हमें अनंतकाल तक प्रेरित करता रहेगा। (12 अक्टूबर, 2022)

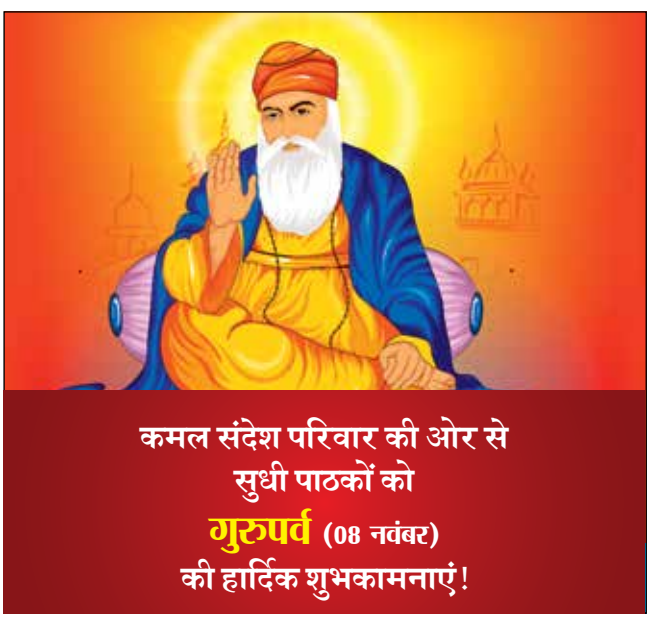

संपादकीय

सुशासन के प्रतिमान गढ़ता नया भारत

चुनाव आयोग द्वारा हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव की तिथि की घोषणा के साथ ही भाजपा के पक्ष में प्रदेश की जनता का भारी समर्थन अब और अधिक स्पष्ट दिखाई देने लगा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा एवं केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की जनसभाओं में जनता का प्यार एवं भारी समर्थन पूरे प्रदेश में देखा जा सकता है। मुख्यमंत्री श्री जयराम ठाकुर के नेतृत्व में हर क्षेत्र में सुशासन की रिकॉर्ड उपलब्धियों के साथ प्रदेश के सर्वांगीण विकास का पथ प्रशस्त हुआ है। इसके साथ-साथ मोदी सरकार ने न केवल वर्षों से लटकी 'अटल टनल' जैसी परियोजना को पूरा किया है, बल्कि कांग्रेस नीत यूपीए सरकार द्वारा रोका गया प्रदेश का विशेष पैकेज, नए एम्स, आईआईएम, वंदे भारत एक्सप्रेस जैसे उपहारों से प्रदेश की अवसंरचना को व्यापक रूप से सुदृढ़ बनाया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का प्रदेश की जनता से विशेष लगाव एवं विकास के लिए प्रतिबद्धता के परिणामस्वरूप हिमाचल प्रदेश ने नई ऊंचाइयों को प्राप्त किया है, जिसे भाजपा के प्रति बढ़ते जनसमर्थन के रूप में देखा जा सकता है। आज प्रदेश की जनता पुनः भाजपा सरकार को चुनने का मन बना चुकी है तथा प्रदेश की विकास यात्रा की गति को और अधिक तेज करने के लिए संकल्पबद्ध है।

अब 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के मंत्र से अनुप्राणित हो 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का स्वप्न साकार हो रहा है

देश के किसानों के कल्याण के लिए समर्पित प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'पीएम किसान सम्मान निधि' की 12वीं किस्त जारी कर अपनी सरकार की किसानों के लिए प्रतिबद्धता को पुनः व्यक्त किया है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री भारतीय जन उर्वरक योजना— 'एक राष्ट्र, एक उर्वरक' योजना का शुभारंभ किया। इस योजना से सभी किसानों को सस्ते एवं उच्च गुणवत्ता वाले उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। साथ ही, देश के किसानों के लिए रबी फसलों के लिए एमएसपी में भारी वृद्धि की घोषणा की गई। इस वृद्धि से किसानों को लागत से डेढ़ से दोगुना तक मूल्य प्राप्त हो सकेगा। मोदी सरकार ने फसलों के न केवल लागत से डेढ़ गुणा अधिक मूल्य उपलब्ध कराया है, बल्कि कई नई फसलों को एमएसपी व्यवस्था के दायरे में शामिल किया है। यही नहीं, एमएसपी पर फसलों की खरीदी में भी गुणात्मक वृद्धि हुई है, जिससे करोड़ों किसानों को लाभ मिल रहा है। किसानों की आय को दोगुना करने का प्रधानमंत्रीजी के संकल्प को पूरा करने के लिए आज अनेक योजनाएं चल रही हैं, जिससे कृषि क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन हुआ है। मोदी सरकार ने न केवल किसानों का सशक्तीकरण किया है, बल्कि 'अमृतकाल' के 'विजन' के अनुरूप अनेक भविष्योन्मुखी कदम उठाए हैं। सरकार किसानों की क्षमता सुधारने, उच्च कृषि तकनीकों को बढ़ावा देने और उनका जीवन आसान बनाने के लिए कई उपाय कर रही है, ताकि वे वैश्विक स्तर पर भारतीय कृषि को स्थापित कर सकें। कोविड-19 वैश्विक महामारी के काल में भारतीय किसानों ने पूरे विश्व में अपना लोहा मनवाया है। इस काल में जब दूसरे क्षेत्र महामारी के दबाव में संघर्ष कर रहे थे, भारतीय किसानों ने कृषि उत्पादन बढ़ाकर पूरे देश का गौरव बढ़ाया है। आज भारत कृषि उत्पादों के अनेक क्षेत्रों में अग्रिम पंक्ति में है और देश अनेक उत्पादों का निर्यातक भी बन चुका है।

आज भारत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के करिश्माई एवं दूरदर्शी नेतृत्व में आगे बढ़ रहा है, साथ ही देश वैश्विक स्तर पर अनेक उपलब्धियां प्राप्त कर रहा है। हर वैश्विक विषयों पर, युद्ध से लेकर जलवायु परिवर्तन तक, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हर समस्या को सुलझाने में भारत के हस्तक्षेप की मांग होती है। देश में प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व से हर कोई प्रेरित हो राष्ट्रीय पुनर्निर्माण के यज्ञ में अपने को समर्पित करने के लिए तत्पर है। 'अमृतकाल' में आत्मविश्वास से परिपूर्ण भारत विकास एवं सुशासन के नए आयामों को गढ़ता हुआ अग्रसर है। अब 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के मंत्र से अनुप्राणित हो 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का स्वप्न साकार हो रहा है। ■

shivshaktibakshi@kamalsandesh.org

विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश)

भाजपा सरकार हिमाचल प्रदेश को विकसित प्रदेश बनाने के लिए कटिबद्ध है : जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 11 अक्टूबर, 2022 को बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया और कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हिमाचल प्रदेश की डबल इंजन वाली सरकार जन-जन के कल्याण के प्रति समर्पित और प्रदेश को विकसित प्रदेश बनाने के लिए कटिबद्ध है। उन्होंने इंडोर ऑडिटोरियम बिल्डिंग का भी उद्घाटन किया। उन्होंने बिलासपुर के औहर रौड़ा सेक्टर और क्षेत्रीय अस्पताल में 102 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं का शिलान्यास और 53 करोड़ रुपये की अन्य विकास योजनाओं का उद्घाटन किया। इसके अलावा उन्होंने क्षेत्रीय अस्पताल बिलासपुर में मातृ शिशु अस्पताल का उद्घाटन किया। वहीं लुहणू मैदान में उन्होंने विभिन्न विकासात्मक योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश की राजनीतिक कार्य-संस्कृति बदल दी है। उन्होंने विकासवाद और रिपोर्ट कार्ड की संस्कृति को प्रतिष्ठित किया है। देश में लंबे समय तक एक तरह की राजनीति चल रही थी जो भाई-भतीजावाद, भ्रष्टाचार, सांप्रदायिकता, जातिवाद, परिवारवाद, क्षेत्रवाद पर केंद्रित थी। प्रधानमंत्रीजी ने गरीब कल्याण योजनाओं के माध्यम से देश के गांव, गरीब, किसान, दलित, पीड़ित, शोषित, वंचित, पिछड़े, युवा एवं महिलाओं के सशक्तीकरण करने का काम किया है।

उन्होंने कहा कि 'आयुष्मान भारत' के तहत देश के लगभग 55 करोड़ लोगों को पांच लाख रुपये तक का मुफ्त हेल्थ कवर दिया गया। इतना ही नहीं, डबल इंजन सरकार में जयराम ठाकुरजी ने भी हिमाचल प्रदेश की जनता को हिमकेयर सुरक्षा कवच दिया, जिससे हिमाचल प्रदेश की पूरी आबादी को मुफ्त हेल्थ कवर मिला है। कांग्रेस के लोग गला फाड़-फाड़ कर बोलते हैं कि कुछ नहीं हुआ। अरे, आपने जनता को ठगा था, अब जनता ने आप लोगों को बेरोजगार कर दिया, इसलिए आपका कुछ भी नहीं हो सकता। हिमाचल प्रदेश में लगभग 1.72 लाख इज्जत घर बने, लाखों एलईडी बल्ब का वितरण हुआ, लगभग सवा तीन लाख गरीब बहनों को उज्ज्वला योजना के तहत गैस का कनेक्शन मिला और ग्राम सड़क योजना के तहत 5,000 करोड़ रुपये की लागत से राज्य में लगभग 1025 किमी सड़कों का निर्माण हुआ। कोविड के दौरान लगभग 500 करोड़ रुपये का रिलीफ पैकेज दिया गया और लगभग हर हॉस्पिटल में ऑक्सीजन जेनरेशन प्लांट्स लगाए गए। हिमाचल प्रदेश में 318 पेयजल योजनाओं से प्रदेश के

> **प्रधानमंत्रीजी ने गरीब कल्याण योजनाओं के माध्यम से देश के गांव, गरीब, किसान, दलित, पीड़ित, शोषित, वंचित, पिछड़े, युवा एवं महिलाओं के सशक्तीकरण करने का काम किया है**

ग्रामीण क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति 70 लीटर पानी प्रति दिन मुहैया कराया जा रहा है। आज हिमाचल प्रदेश देश के पहले 'स्मोक-फ्री स्टेट' अर्थात् धुंआ रहित प्रदेश के रूप में प्रतिष्ठित हुआ है। औद्योगिक विकास के लिए लगभग 23,000 करोड़ रुपये के एमओयू साइन हुए हैं और टूरिज्म में भी लगभग 15,000 करोड़ रुपये का एमओयू साइन हुआ है। नाहन में भी 300 करोड़ रुपये की लागत से मेडिकल कॉलेज का निर्माण हुआ है। लगभग 32,000 करोड़ रुपये की लागत से 57 किमी से अधिक लंबी रोपवे के 7 प्रोजेक्ट्स पर हिमाचल प्रदेश में काम चल रहा है।

उन्होंने कहा कि पहले हिमाचल प्रदेश को स्पेशल स्टेटस का दर्जा मिला हुआ था। कांग्रेस की सरकार ने तो हिमाचल प्रदेश से विशेष राज्य का दर्जा तक हटा दिया था, जिसके कारण केंद्रीय योजनाओं में हिमाचल प्रदेश को 40 प्रतिशत हिस्सा देना पड़ जाता था। केंद्र में जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सरकार आई, तो प्रधानमंत्रीजी ने बिना किसी मांग के फिर से हिमाचल प्रदेश का स्पेशल स्टेटस बहाल कर दिया।

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हिमाचल प्रदेश और देश भाजपा को मजबूत कीजिए। हम कुर्सी से चिपकने नहीं आये हैं, बल्कि हम कुर्सी के माध्यम से जनता की और देश की तस्वीर बदलने आये हैं। हमने उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में रिवाज बदला है। हम हिमाचल प्रदेश में भी रिवाज बदलेंगे। हिमाचल प्रदेश में प्रचंड बहुमत के साथ भारतीय जनता पार्टी सरकार का पुनः बनना तय है। हमारी मंजिल हिमाचल प्रदेश को देश का सरताज बनाना है। ■

मंडी और सोलन में 'पंच परमेश्वर सम्मेलन' आयोजित

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 10 अक्टूबर को मंडी और सोलन में 'पंच परमेश्वर सम्मेलनों' में भाग लिया और पंचायती राज संस्थाओं (पीआरआई) के सदस्यों को बहुमूल्य सुझाव देने के साथ हिमाचल प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनावों में उनकी भूमिका पर चर्चा की।

श्री नड्डा ने मंडी में सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि चुनाव एक संख्या का खेल है, जिसमें प्रत्येक वोट महत्वपूर्ण है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से प्रदेश में भाजपा की जीत सुनिश्चित करने के लिए जमीनी स्तर पर कड़ी मेहनत करने का आह्वान किया।

उन्होंने पंच परमेश्वर से कहा कि वे अपने-अपने पंचायतों और वार्डों में प्रत्येक घर का दौरा करें और मतदाताओं को भाजपा का समर्थन करने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि मतदाताओं को प्रदेश और केंद्र सरकार की विभिन्न पहलों और कल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराया जाए।

श्री नड्डा ने सोलन में एक अन्य सम्मेलन में भाग लिया और अपने संबोधन में कहा, "पंचायती राज भारत में त्रिस्तरीय प्रणाली का आधार है। भारत के विकास में इसकी अहम भूमिका है। भाजपा ने हमेशा ग्रामीण क्षेत्रों के विकास पर ध्यान केंद्रित किया है।" ■

महेंद्र सिंह भाजपा त्रिपुरा प्रदेश चुनाव प्रभारी एवं समीर उरांव चुनाव सह प्रभारी नियुक्त

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 16 अक्टूबर, 2022 को उत्तर प्रदेश विधान परिषद् के सदस्य श्री महेंद्र सिंह को त्रिपुरा में होनेवाले आगामी चुनावों हेतु प्रभारी एवं भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद श्री समीर उरांव को सह प्रभारी नियुक्त किया। ■

श्री महेंद्र सिंह

श्री समीर उरांव

हिमाचल प्रदेश ने भारत को दुनिया का नंबर एक दवा निर्माता बनाने में अहम भूमिका निभाईः नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 13 अक्टूबर को हिमाचल प्रदेश में ऊना और चंबा का दौरा किया। ऊना में श्री मोदी ने ऊना हिमाचल रेलवे स्टेशन से वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखायी। इसके बाद एक सार्वजनिक समारोह में प्रधानमंत्री ने आईआईआईटी ऊना राष्ट्र को समर्पित किया और ऊना में बल्क ड्रग पार्क की आधारशिला रखी। उसके बाद चंबा में श्री मोदी ने दो पनबिजली परियोजनाओं की आधारशिला रखी और हिमाचल प्रदेश में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई)-III का शुभारंभ किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 13 अक्टूबर को बल्क ड्रग पार्क की आधारशिला रखी और भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) ऊना को राष्ट्र को समर्पित किया। श्री मोदी ने अपने संबोधन की शुरुआत गुरु नानक देव जी, सिख धर्म के गुरुओं और मां चिंतपूर्णी को नमन करते हुए की और धनतेरस व दिवाली से पहले हिमाचल प्रदेश के लिए उपहार भेंट करने पर प्रसन्नता व्यक्त की।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि यह औद्योगीकरण के लिए एक बहुत बड़ा दिन है और उन्होंने कनेक्टिविटी व शिक्षा को राज्य की अपनी यात्रा का मुख्य फोकस बताया। उन्होंने कहा कि आज यहां ऊना में देश के दूसरे बल्क ड्रग पार्क पर काम शुरू हो रहा है। हिमाचल प्रदेश में आज विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया है या उनका शिलान्यास किया गया है। इससे लोगों को बहुत फायदा होगा।

श्री मोदी ने कहा कि हिमाचल को बल्क ड्रग पार्क पाने वाले राज्यों में से एक के रूप में चुना गया है। उन्होंने कहा कि बल्क ड्रग पार्क के लिए केवल तीन राज्यों में से एक के रूप में चुना जाना राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय है और यह इस राज्य के प्रति हमारे प्यार और समर्पण का परिणाम है।

श्री मोदी ने कहा कि हिमाचल प्रदेश ने भारत को दुनिया का नंबर एक दवा निर्माता बनाने में अहम भूमिका निभाई है तथा इसकी संभावनाएं और बढ़ने वाली हैं। अपने भाषण को समाप्त करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जब सपने बड़े होते हैं, संकल्प विराट होते हैं, तो प्रयास भी उतने ही बड़े किए जाते हैं। श्री मोदी ने कहा कि डबल इंजन वाले सरकारी मॉडल में ऐसा प्रयास हर जगह दिखाई देता है और यह एक नया इतिहास रचेगा और एक नए पद्धति के साथ उभरेगा।

उन्होंने कहा कि मैं मानता हूं कि आजादी के अमृत महोत्सव में हिमाचल के विकास का स्वर्णिम काल शुरू होने वाला है। यह स्वर्णिम काल हिमाचल को विकास की उस ऊंचाई तक ले जाएगा, जिसका आप सभी दशकों से इंतजार कर रहे थे।

ऊना से नई दिल्ली के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस का शुभारंभ

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 13 अक्टूबर को अंब अंदौरा, ऊना से नई दिल्ली के लिए नई वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। श्री मोदी ने वंदे भारत एक्सप्रेस के ट्रेन के डिब्बों का निरीक्षण किया और अंदर दी जाने वाली सुविधाओं का जायजा लिया। ऊना से नई दिल्ली के लिए यात्रा का समय इससे दो घंटे कम हो जाएगा। ये ट्रेन उन्नत अत्याधुनिक सुरक्षा सुविधाओं से लैस है जिसमें स्वदेशी रूप से विकसित ट्रेन टक्कर बचाव प्रणाली– 'कवच' भी शामिल है।

प्रधानमंत्री ने हिमाचल प्रदेश के चंबा में दो जलविद्युत परियोजनाओं की रखी आधारशिला

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 13 अक्टूबर को हिमाचल प्रदेश के चंबा में दो जलविद्युत परियोजनाओं की आधारशिला रखी और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई)-III का शुभारंभ किया। इस अवसर पर श्री मोदी ने कहा कि आज यह कहावत बदल रही है कि पहाड़ का पानी और पहाड़ की जवानी पहाड़ के काम नहीं आती। उन्होंने कहा कि अब पहाड़ के युवा इस क्षेत्र के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

श्री मोदी ने कहा कि अगले 25 वर्ष 130 करोड़ भारतीयों के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि भारत की आजादी के अमृत काल का शुभारंभ हो चुका है। इस दौरान हमें भारत को विकसित देश बनाने का लक्ष्य हासिल करना है। श्री मोदी ने कहा कि हिमाचल को आज डबल इंजन वाली सरकार की शक्ति का एहसास है, जिसने राज्य में विकास गति को दोगुना कर दिया है।

उन्होंने कहा कि सड़क हो, बिजली हो या फिर पानी, इन सेवाओं का लाभ ऐसे क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सबसे अंत में मिलता था, लेकिन डबल इंजन सरकार की कार्य-शैली बाकी से अलग है। हमारी प्राथमिकता यह है कि लोगों के जीवन को कैसे आसान बनाया जाए। इसलिए हम जनजातीय और पहाड़ी इलाकों पर ज्यादा जोर दे रहे हैं। ■

हिमाचल प्रदेश अब एक नया रिवाज बनाने जा रहा है– 'एक बार भाजपा, बार-बार भाजपा': अमित शाह

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री अमित शाह ने 15 अक्टूबर, 2022 को हिमाचल प्रदेश के सातौन प्रदेश में 'हाटी आभार जनसभा' को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी के चुनाव अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने हिमाचल प्रदेश विधान सभा चुनाव के लिए भाजपा के थीम सॉन्ग 'हिमाचल की पुकार, फिर भाजपा सरकार' को लॉन्च किया। इस कार्यक्रम में हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री जयराम ठाकुर, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री सुरेश कश्यप, पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री सौदान सिंह, प्रदेश के भाजपा प्रभारी श्री अविनाश राय खन्ना, सह-प्रभारी श्री संजय टंडन, चुनाव सह-प्रभारी श्री देवेंद्र सिंह राणा सहित भाजपा के कई वरिष्ठ नेता, विधायक, राज्य सरकार में मंत्री एवं पार्टी पदाधिकारी उपस्थित थे।

श्री शाह ने सभा में उमड़े जनसैलाब को संबोधित करते हुए देवभूमि एवं वीरभूमि हिमाचल प्रदेश की पावन धरा को नमन किया और कहा कि हिमाचल प्रदेश इस बार के विधानसभा चुनाव में 'रिवाज' बदलने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि 55 वर्षों से हाटी समुदाय जनजातीय दर्जे को लेकर संघर्ष कर रहा था। हाटी समुदाय को जनजातीय दर्जा देकर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लोगों के 55 साल के संघर्ष को एक झटके में समाप्त किया है। हमारी सरकार ने यहां के लगभग 154 ग्राम पंचायतों को जनजातीय क्षेत्र का दर्जा दिया है। इससे लगभग 389 गांव और 1.60 लाख लोग लाभान्वित होंगे। आने वाली पीढ़ियां भी इससे लाभान्वित होगी। चाहे शिक्षा हो, सरकारी नौकरियों में लाभ हो या फिर राजनीतिक विकास— तीनों ही प्रकार के आरक्षण हाटी समुदाय को मिलने वाला है।

हाटी समुदाय को जनजातीय दर्जा देकर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लोगों के 55 साल के संघर्ष को एक झटके में समाप्त किया है

श्री शाह ने कहा कि हाटी समुदाय के साथ लगभग 55 साल से अन्याय चल रहा था। कांग्रेस की सरकारों ने कभी भी इस समस्या की ओर ध्यान नहीं दिया। हमारे मुख्यमंत्री जयराम ठाकुरजी लगातार इस मांग को लेकर काम करते रहे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की एक दृष्टि इस विषय पर पड़ते ही हाटी समुदाय को जनजातीय दर्जा मिल गया। ऐसा इसलिए क्योंकि हमारे प्रधानमंत्रीजी आपकी तकलीफ समझते हैं।

कांग्रेस पर करारा प्रहार करते हुए श्री शाह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और उसके नेताओं को आग लगाए बगैर चैन नहीं आता। कांग्रेस हमेशा समाज में अलगाव की राजनीति करते रहती है। जैसे ही हमारी सरकार ने हाटी समुदाय को ट्राइबल स्टेटस का दर्जा दिया तो कांग्रेस अब अनुसूचित जनजाति के भाई-बहनों को उकसा रही है कि हाटी समुदाय को जनजातीय स्टेटस देने से उनका आरक्षण चला जाएगा। मैं आज इस मंच से स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि किसी को भी डरने की कोई जरूरत नहीं है। किसी का भी आरक्षण जाने वाला नहीं है। मैं इस इलाके के सारे अनुसूचित जाति के भाई-बहनों से कहना चाहता हूं कि कांग्रेस का काम केवल झगड़ा लगाना है। अनुसूचित जनजाति आपका अधिकार कोई भी आपसे छीन नहीं सकता।

उन्होंने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव वर्ष चल रहा है और हिमाचल प्रदेश का स्वर्ण जयंती वर्ष भी मनाया जा रहा है। इस वर्ष हिमाचल प्रदेश की जनता ने प्रदेश में 'रिवाज' बदलने का दृढ़ निश्चय कर लिया है। कभी न कभी, किसी न किसी नये रिवाज की शुरुआत होती ही है। हिमाचल प्रदेश अब एक नया रिवाज बनाने जा रहा है— एक बार भाजपा, बार-बार भाजपा।

श्री शाह ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में 'हर घर नल से जल' पहुंचाना काफी कठिन कार्य है, लेकिन डबल इंजन वाली हमारी सरकार ने चंबा, लाहौल स्पीति और किन्नौर जिले के शत-प्रतिशत घरों में नल से जल पहुंचाने का काम पूरा कर दिया है। यह कार्य मिशन मोड में चल रहा है। जल्द ही, प्रदेश के सभी घरों में नल से जल पहुंचाने का काम पूरा हो जाएगा। डबल इंजन वाली सरकार में 'आयुष्मान भारत' के साथ-साथ हिम केयर योजना का लाभ भी लोगों को मिल रहा है। कांग्रेस पार्टी ने केवल अपने घर का और अपने परिवार का भला करने का काम किया था, जबकि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की डबल इंजन वाली जयराम सरकार में हिमाचल प्रदेश के सभी निवासियों की भलाई का कार्य किया है। ■

हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव की घोषणा

12 नवंबर को मतदान, 8 दिसंबर को परिणाम

भारतीय चुनाव आयोग ने 14 अक्टूबर, 2022 को नई दिल्ली में प्रेस वार्ता कर हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव की तिथियों की घोषणा की। पूरे प्रदेश में एक चरण में 12 नवंबर को मत डाले जाएंगे। 8 दिसंबर को चुनावी परिणाम आएंगे। चुनाव आयोग की घोषणा के साथ ही प्रदेश में आदर्श चुनाव आचार-संहिता लागू हो गई है। विधानसभा चुनाव की अधिसूचना 17 अक्टूबर को जारी होगी। चुनाव लड़ने के लिए 25 अक्टूबर तक नामांकन पत्र भरे जाएंगे। इनकी छंटनी 27 अक्टूबर को होगी, जबकि 29 अक्टूबर को नाम वापस ले सकेंगे।

हिमाचल प्रदेश में विधानसभा की 68 में से 17 सीटें अनुसूचित जाति और तीन सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित रहेंगी। इस बार के चुनाव में हिमाचल में 55,74,793 कुल मतदाता हैं। इनमें 55,07,261 सामान्य, 67,532 सर्विस वोटर मताधिकार का प्रयोग करेंगे। कुल पुरुष मतदाता 28,46,201 तथा महिला मतदाता 27,28,555 हैं। 18 से अधिक उम्रवाले 43,173 मतदाता, दिव्यांग 56,001, थर्ड जेंडर 37 और 80 से अधिक उम्रवाले 1.22 लाख मतदाता हैं। सौ से अधिक आयु वर्ग के वोटरों की संख्या 1,184 है। ■

चुनाव आयोग द्वारा हिमाचल विधानसभा चुनावों की घोषणा का स्वागत करता हूं। चुनाव लोकतंत्र का सबसे बड़ा उत्सव है। यह देश और प्रदेश को विकास और सुशासन के पथ पर अग्रसर रखने का माध्यम है। मैं राज्य की जनता से प्रदेश की प्रगति और उन्नति में योगदान देने वाली सरकार चुनने की अपील करता हूं।

- जगत प्रकाश नड्डा, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष

हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव–2022	
अधिसूचना जारी करने की तिथि	17 अक्टूबर, 2022 (सोमवार)
नामांकन करने की अंतिम तिथि	25 अक्तूबर, 2022 (मंगलवार)
नामांकन पत्रों की जांच की तिथि	27 अक्टूबर, 2022 (गुरुवार)
उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तिथि	29 अक्टूबर, 2022 (शनिवार)
मतदान की तिथि	12 नवंबर, 2022 (शनिवार)
मतगणना की तिथि	8 दिसंबर, 2022 (गुरुवार)

प्रदेश भाजपा कार्यालय प्रभारियों एवं कार्यालय मंत्रियों की कार्यशाला आयोजित

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 14 अक्टूबर, 2022 को नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में दीप प्रज्वलित कर प्रदेश कार्यालय प्रभारियों एवं कार्यालय मंत्रियों की कार्यशाला का उद्घाटन किया। इस अवसर पर श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कार्यशाला में उपस्थित पदाधिकारियों का मार्गदर्शन भी किया।

'अब देश में बिकने वाला यूरिया एक ही नाम, एक ही ब्रांड और एक ही गुणवत्ता का होगा'

- **प्रधानमंत्री ने भारतीय जन उर्वरक परियोजना 'एक राष्ट्र, एक उर्वरक' का शुभारंभ किया**
- **600 प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्रों का शुभारंभ किया**
- **भारत यूरिया बैग को लॉन्च किया**
- **पीएम-किसान निधि से 16,000 करोड़ रुपये जारी किए**

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 17 अक्टूबर को नई दिल्ली में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में पीएम किसान सम्मान सम्मेलन 2022 का उद्घाटन किया। श्री मोदी ने रसायन और उर्वरक मंत्रालय के तहत 600 प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्रों (पीएमकेएसके) का भी शुभारंभ किया। इसके अलावा, प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री भारतीय जन उर्वरक परियोजना 'एक राष्ट्र एक उर्वरक' का भी शुभारंभ किया।

इस कार्यक्रम के दौरान श्री मोदी ने प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) के तहत 16,000 करोड़ रुपये की 12वीं किस्त भी जारी की। प्रधानमंत्री ने कृषि स्टार्टअप कॉन्क्लेव और प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम के दौरान श्री मोदी ने उर्वरक पर एक ई-पत्रिका 'इंडियन एज' का भी विमोचन किया।

इस अवसर पर श्री मोदी ने कहा कि आज 600 से अधिक प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्रों की शुरुआत हो रही है। उन्होंने कहा कि ये केंद्र न केवल उर्वरक के लिए बिक्री केंद्र हैं, बल्कि देश के किसानों के साथ एक घनिष्ठ नाता जोड़ने वाला एक तंत्र हैं।

16,000 करोड़ रुपये की पीएम किसान सम्मान निधि जारी

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) की नई किस्त के संबंध में प्रधानमंत्री ने कहा कि बिना किसी बिचौलिए को शामिल किए पैसा सीधे किसानों के खातों में पहुंचता है। श्री मोदी ने दिवाली से ठीक पहले किसानों तक धनराशि पहुंचने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि के रूप में करोड़ों किसान परिवारों को 16,000 करोड़ रुपये की एक और किस्त भी जारी की गई है। श्री मोदी ने यह भी कहा कि आज 'एक राष्ट्र एक उर्वरक' के रूप में किसानों को सस्ती और क्वालिटी खाद भारत ब्रांड के तहत उपलब्ध कराने की योजना भी शुरू की गई है।

नैनो यूरिया

मेहनती किसानों को अत्यधिक लाभान्वित करने वाले कदमों के बारे में प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत तरल नैनो यूरिया उत्पादन में तेजी से आत्मनिर्भरता की ओर आगे बढ़ रहा है। श्री मोदी ने कहा कि नैनो यूरिया कम लागत में अधिक उत्पादन करने का माध्यम है। इसके लाभ बताते हुए उन्होंने कहा कि यूरिया से भरी एक बोरी का स्थान अब नैनो यूरिया की एक बोतल ले सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि इससे यूरिया की परिवहन लागत में भी काफी कमी आएगी।

उर्वरक सुधार का उल्लेख

श्री मोदी ने भारत की उर्वरक सुधार की कहानी में दो नए उपायों का उल्लेख किया। सबसे पहले देश भर में 3.25 लाख से अधिक उर्वरक दुकानों को 'प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्रों' के रूप में विकसित करने का एक अभियान आज शुरू किया जा रहा है। ये ऐसे केंद्र होंगे जहां किसान न केवल उर्वरक और बीज खरीद सकते हैं, बल्कि मिट्टी परीक्षण भी करा सकते हैं और कृषि तकनीकों के बारे में उपयोगी जानकारी भी प्राप्त कर सकते हैं। दूसरे, 'एक राष्ट्र, एक उर्वरक' से किसान को खाद की गुणवत्ता और उसकी उपलब्धता को लेकर फैली हर तरह की भ्रांति से मुक्ति मिलने वाली है।

श्री मोदी ने कहा कि अब देश में बिकने वाला यूरिया एक ही नाम, एक ही ब्रांड और एक ही गुणवत्ता का होगा और यह ब्रांड 'भारत' है! अब यूरिया पूरे देश में केवल 'भारत' ब्रांड नाम के तहत ही उपलब्ध होगा। उन्होंने यह भी कहा कि इससे उर्वरकों की लागत कम होगी और उनकी उपलब्धता भी बढ़ेगी। ■

पिछले दो दशकों में गुजरात ने राज्य में शिक्षा प्रणाली को बदला: नरेन्द्र मोदी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कार्यान्वयन के लिए पीएम-श्री स्कूल मॉडल स्कूल होंगे

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 19 अक्टूबर को गुजरात के त्रिमंदिर, अडालज में उत्कृष्ट मिशन स्कूलों (मिशन स्कूल्स ऑफ एक्सीलेंस) का शुभारंभ किया। त्रिमंदिर में कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने लगभग 4260 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का भी शुभारंभ किया। श्री मोदी ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि मिशन स्कूल्स ऑफ एक्सीलेंस के माध्यम से गुजरात ने पूरे देश में पहला और सबसे महत्वपूर्ण कदम उठाया है। उन्होंने इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की टीम को बधाई दी।

श्री मोदी ने रेखांकित किया कि इन दो दशकों में गुजरात के लोगों ने अपने राज्य में शिक्षा प्रणाली में बदलाव दिखाया है। प्रधानमंत्री ने बताया कि इन दो दशकों में गुजरात में 1.25 लाख से अधिक नए क्लासरूम बनाए गए और 2 लाख से अधिक शिक्षकों की भर्ती की गई।

श्री मोदी ने बताया कि एक दशक पहले भी गुजरात के 15,000 स्कूलों में टीवी, 20 हजार से अधिक स्कूलों में कंप्यूटर की सहायता से अध्ययन की व्यवस्था हो चुकी थी और इस तरह की अनेक प्रणालियां कई वर्षों से गुजरात के स्कूलों का अभिन्न अंग बन गई हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज गुजरात में 1 करोड़ से अधिक छात्र और 4 लाख से अधिक शिक्षक ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराते हैं। उन्होंने बताया कि आज गुजरात में 20 हजार स्कूल शिक्षा के 5जी युग में प्रवेश करने जा रहे हैं।

श्री मोदी ने मिशन स्कूल्स ऑफ एक्सीलेंस के तहत शामिल परियोजनाओं पर प्रकाश डाला और बताया कि इन स्कूलों में 50 हजार नए क्लासरूम और एक लाख से अधिक स्मार्ट क्लासरूम बनने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन स्कूलों में न केवल आधुनिक, डिजिटल और भौतिक बुनियादी ढांचा होगा, बल्कि यह बच्चों के जीवन और उनकी शिक्षा में बड़ा बदलाव लाने का अभियान भी है। श्री मोदी ने कहा कि यहां बच्चों की क्षमता बढ़ाने के लिए हर पहलू पर काम किया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि इन सभी उपायों से 5जी के आने से काफी फायदा होगा। चूंकि यह सुदूरवर्ती क्षेत्रों सहित सभी के लिए सर्वोत्तम सामग्री, शिक्षाशास्त्र और शिक्षक उपलब्ध कराने में मदद करेगा।

उन्होंने कहा कि शैक्षिक विकल्पों की विविधता और लचीलापन नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को जमीनी स्तर तक पहुंचाएगा। प्रधानमंत्री ने आगामी 14.5 हजार पीएमश्री स्कूलों की चर्चा की, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कार्यान्वयन के लिए मॉडल स्कूल होंगे। इस योजना पर 27 हजार करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

मिशन स्कूल्स ऑफ एक्सीलेंस

मिशन स्कूल्स ऑफ एक्सीलेंस की परिकल्पना कुल 10,000 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ की गई है। यह मिशन गुजरात में नई कक्षाओं, स्मार्ट कक्षाओं, कंप्यूटर प्रयोगशालाओं की स्थापना और राज्य में स्कूलों के बुनियादी ढांचे के समग्र आधुनिकीकरण से शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में मदद करेगा।

आज गुजरात में 1 करोड़ से अधिक छात्र और 4 लाख से अधिक शिक्षक ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराते हैं। उन्होंने बताया कि आज गुजरात में 20 हजार स्कूल शिक्षा के 5जी युग में प्रवेश करने जा रहे हैं

उन्होंने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति की 'किसी को पीछे नहीं छोड़ना' की भावना को भी दोहराया, क्योंकि यह एक विकसित भारत के लिए 'सबका प्रयास' का समय है।

संबोधन के समापन में श्री मोदी ने दुनिया में एक महान ज्ञान अर्थव्यवस्था बनने के लिए भारत की अपार क्षमता पर प्रकाश डाला। उन्होंने समझाया, "21वीं सदी में मुझे यह दावा करने में कोई संकोच नहीं है कि विज्ञान से संबंधित अधिकांश नवाचार, प्रौद्योगिकी से संबंधित अधिकांश नवाचार भारत में होंगे।

श्री मोदी ने यह भी बताया कि गुजरात के लिए एक बड़ा अवसर खुलने वाला है। उन्होंने कहा कि अभी तक गुजरात को व्यापार और कारोबार के लिए जाना जाता है, यह विनिर्माण के लिए है। लेकिन 21वीं सदी में गुजरात देश के ज्ञान केंद्र, नवोन्मेष केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है। मुझे विश्वास है कि उत्कृष्ट मिशन स्कूल इस भावना को बढाएंगे। ■

प्रधानमंत्री ने अहमदाबाद में विभिन्न स्वास्थ्य सुविधाओं का किया शुभारंभ

गुजरात में पीएमजेएवाई-एमए योजना आयुष्मान कार्ड के वितरण की शुरुआत

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 17 अक्टूबर को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से गुजरात में पीएमजेएवाई-एमए योजना आयुष्मान कार्ड के वितरण की शुरुआत की। श्री मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए पीएमजेएवाई-एमए योजना आयुष्मान कार्ड के लाभार्थियों से भी बातचीत की।

बनासकांठा के तुवार के श्री पीयूषभाई के साथ बातचीत करते हुए प्रधानमंत्री ने उनके परिवार और हाल में उनकी स्वास्थ्य की स्थितियों के बारे में जानकारी ली। श्री मोदी को यह जानकर खुशी हुई कि 'आयुष्मान भारत योजना' ने उन्हें एक नया जीवनदान दिया है।

शास्त्रों का हवाला देते हुए प्रधानमंत्री ने 'आरोग्यं परम भाग्यम' मंत्र का जाप किया और प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात के लाखों लोगों को आरोग्य धन देने के लिए इतने बड़े पैमाने पर आयोजन हो रहा है।

'सर्वे संतु निरामया' यानी सभी लोगों के रोगों से मुक्त होने की कामना करते हुए श्री मोदी ने कहा कि आयुष्मान योजना का उद्देश्य सभी के लिए स्वास्थ्य है। उन्होंने राज्य में लोगों को 50 लाख कार्ड बांटने के अभियान की व्यापकता की सराहना की।

श्री मोदी ने कहा कि देश भर में अब तक करीब 4 करोड़ गरीब मरीज इस योजना के तहत आरोग्य का लाभ उठा चुके हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इसमें से करीब 50 लाख गरीब मरीज गुजरात के हैं। अपनी सरकार के संकल्प के बारे में चर्चा करते हुए श्री मोदी ने कहा कि सरकार ने इन लाभार्थियों के इलाज के लिए करोड़ों रुपये खर्च किए हैं।

उन्होंने कहा कि 'आयुष्मान भारत योजना' ने गरीब माताओं और बहनों को भी इस समस्या से मुक्त किया है। यह एक ऐसा एटीएम कार्ड है जो हर साल लाभ देता रहेगा। श्री मोदी ने इस लाभ के बारे में विस्तार से बताया कि अगर कोई व्यक्ति 30-40 साल तक जीवित रहेगा, तो उस अवधि में 1.5-2 करोड़ रुपये के इलाज की गारंटी होगी। उन्होंने कहा कि आयुष्मान कार्ड आपका सच्चा दोस्त होगा, सबसे बड़ा संकटमोचक होगा। ■

अहमदाबाद में 1,275 करोड़ रुपये की लागत वाली कई स्वास्थ्य सुविधा परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण

गत 11 अक्टूबर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अहमदाबाद के असरवा स्थित सिविल अस्पताल में लगभग 1,275 करोड़ रुपये की लागत वाली कई स्वास्थ्य सुविधा परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया।

कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने के बाद श्री मोदी ने हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं का अवलोकन किया। प्रधानमंत्री ने पट्टिका का अनावरण किया और (i) मंजुश्री मिल परिसर में किडनी रोग अनुसंधान केंद्र (आईकेडीआरसी) संस्थान, (ii) सिविल अस्पताल परिसर, असरवा में गुजरात कैंसर अनुसंधान संस्थान के अस्पताल भवन 1सी, (iii) यूएन मेहता अस्पताल में छात्रावास, (iv) एक राज्य एक डायलिसिस के साथ गुजरात डायलिसिस कार्यक्रम का विस्तार, (v) गुजरात राज्य के लिए केमो कार्यक्रम राष्ट्र को समर्पित किया।

इसके बाद श्री मोदी ने (i) न्यू मेडिकल कॉलेज, गोधरा, (ii) जीएमईआरएस मेडिकल कॉलेज, सोला के नए सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, (iii) सिविल अस्पताल, असरवा में मेडिकल गर्ल्स कॉलेज, (iv) रेन बसेरा सिविल अस्पताल, असरवा, (v) 125 बिस्तर वाले जिला अस्पताल, भिलोदा, (vi) 100 बिस्तर वाले उप जिला अस्पताल, अंजार की आधारशिला रखी।

उन्होंने मोरवा हदफ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, जीएमएलआरएस जूनागढ़ और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र वाघई के मरीजों से बातचीत की।

सभा को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने कहा कि आज गुजरात की स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए एक बहुत बड़ा दिन है। उन्होंने इन परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के लिए इससे जुड़े सभी लोगों को बधाई दी।

श्री मोदी ने कहा कि दुनिया की सबसे एडवांस्ड मेडिकल टेक्नोलॉजी, बेहतर से बेहतर सुविधाएं और मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर अब अहमदाबाद और गुजरात में जनता के लिए और ज्यादा उपलब्ध होंगे, जिससे समाज को लाभ होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस तरह की मेडिकल फैसिलिटी उपलब्ध होने से ऐसे लोग इन सरकारी अस्पतालों में जा सकते हैं, जो लोग निजी अस्पतालों का खर्च नहीं उठा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि इन अस्पतालों में तत्काल सेवा के लिए चिकित्सा दल तैनात किए जाएंगे। श्री मोदी ने याद किया कि करीब साढ़े तीन साल पहले उन्हें 1200 बिस्तरों की सुविधा वाले मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के उद्घाटन का अवसर मिला था। ■

जनजातीय समुदायों का कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 19-20 अक्टूबर, 2022 को गुजरात का दौरा किया और करीब 15,670 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। 19 अक्टूबर को प्रधानमंत्री ने गांधीनगर के महात्मा मंदिर सम्मेलन और प्रदर्शनी केंद्र में डिफेंसएक्सपो22 का उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने अडालज में मिशन स्कूल ऑफ एक्सीलेंस का शुभारंभ तथा जूनागढ़ में विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इसके अलावा श्री मोदी ने इंडिया अर्बन हाउसिंग कॉन्क्लेव 2022 का उद्घाटन कर राजकोट में कई प्रमुख परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। 20 अक्टूबर को प्रधानमंत्री ने केवड़िया में मिशन लाइफ का शुभारंभ किया। इसके बाद उन्होंने व्यारा में विभिन्न विकास पहलों का शिलान्यास किया

व्यारा, तापी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 20 अक्टूबर को व्यारा, तापी में 1970 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास पहलों की आधारशिला रखी। इन परियोजनाओं में सापुतारा से 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' तक सड़क के सुधार के साथ-साथ छूटे हुए संपर्क सड़कों का निर्माण तथा तापी और नर्मदा जिलों में 300 करोड़ रुपये से अधिक की जलापूर्ति परियोजनाएं शामिल हैं।

श्री मोदी ने कहा कि देश ने जनजातीय हितों और जनजातीय समुदायों के कल्याण को लेकर दो तरह की राजनीति देखी है। एक तरफ ऐसी पार्टियां हैं, जो जनजातीय हितों की परवाह नहीं करती हैं और लम्बे समय से जनजातीय समुदायों से झूठे वादे करती रही हैं। वहीं, दूसरी तरफ भाजपा जैसी पार्टी है, जिसने हमेशा जनजातीय कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि जनजातीय समुदायों का कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और हमने जहां भी सरकार बनाई है, हमने जनजातीय कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।

श्री मोदी ने जनजातीय क्षेत्रों में कृषि को नया जीवन देने के लिए शुरू की गई वाडी योजना को रेखांकित किया। उन्होंने पहले की स्थिति को याद किया, जब जनजातीय क्षेत्रों में बाजरा-मक्का उगाना और खरीदना मुश्किल था। श्री मोदी ने कहा कि आज जनजातीय क्षेत्रों में आम, अमरूद और नींबू जैसे फलों के साथ काजू की खेती की जाती है। उन्होंने इस सकारात्मक बदलाव का श्रेय वाडी योजना को दिया और बताया कि इस योजना के माध्यम से जनजातीय किसानों को बंजर भूमि पर फल, सागौन और बांस की खेती में सहायता प्रदान की गई।

मुख्य बातें

- जनजातीय समुदायों का कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और हमने जहां भी सरकार बनाई है, हमने जनजातीय कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।
- जनजातीय बच्चों को आगे बढ़ने के नए अवसर मिले हैं।
- जनजातीय कल्याण बजट पिछले 7-8 वर्षों में तीन गुने से अधिक हो गया है।
- 'सबका प्रयास' से हम एक विकसित गुजरात और एक विकसित भारत का निर्माण करेंगे।
- वाडी योजना के माध्यम से जनजातीय किसानों को बंजर भूमि पर फल, सागौन और बांस की खेती में सहायता प्रदान की गई।

राजकोट

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के राजकोट में 19 अक्टूबर को लगभग 5860 करोड़ रुपए की समर्पित परियोजनाओं की आधारशिला रखी और इन्हें राष्ट्र को समर्पित किया। श्री मोदी ने भारत

शहरी आवास सम्मेलन 2022 का भी उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने लाइट हाउस परियोजना के तहत निर्मित 1100 से अधिक घरों को समर्पित किया। श्री मोदी द्वारा समर्पित की जा रही अन्य परियोजनाओं में एक जल आपूर्ति परियोजना सहित ब्राह्मणी-2 बांध से नर्मदा नहर पंपिंग स्टेशन तक मोरबी-बल्क पाइपलाइन परियोजना, एक क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र, फ्लाईओवर पुल और सड़क संपर्क से संबंधित अन्य परियोजनाएं शामिल हैं।

प्रधानमंत्री ने गुजरात में राष्ट्रीय राजमार्ग 27 के राजकोट-गोंडल-

जेतपुर खंड के मौजूदा फोर-लेन को छह लेन बनाने की आधारशिला रखी। उन्होंने मोरबी, राजकोट, बोटाद, जामनगर और कच्छ में विभिन्न स्थानों पर लगभग 2950 करोड़ रुपये के जीआईडीसी औद्योगिक एस्टेट की भी आधारशिला रखी। जिन अन्य परियोजनाओं की आधारशिला रखी जा रही है उनमें गढ़का में अमूल-फेड डेयरी प्लांट, राजकोट में एक इनडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण, दो जल आपूर्ति परियोजनाएं और सड़क एवं रेलवे क्षेत्र की अन्य परियोजनाएं शामिल हैं।

श्री मोदी ने कहा कि देश के 6 स्थानों में से राजकोट लाइट हाउस परियोजना के लिए एक स्थान है और नवीनतम तकनीक से निर्मित 1144 घरों को आज समर्पित किया गया। राजकोट के सैकड़ों गरीब परिवारों को दीवाली से पहले आधुनिक तकनीक से बने बेहतरीन घरों

मुख्य बातें

- लाइट हाउस परियोजना के अंतर्गत 1100 से अधिक निर्मित घरों को समर्पित किया।
- इंडिया अर्बन हाउसिंग कॉन्क्लेव 2022 का उद्घाटन किया।
- हम विकसित भारत के लिए विकसित गुजरात के मंत्र के साथ आगे बढ़ रहे हैं।
- बुनियादी सुविधाओं और गरिमापूर्ण जीवन के बिना गरीबी से बाहर निकलना असंभव है।
- पिछले दो दशकों में राजकोट से इंजीनियरिंग से जुड़ी वस्तुओं का निर्यात 5 हजार करोड़ रुपये से अधिक हो गया है।
- दुनिया के 13 प्रतिशत से अधिक सिरेमिक अकेले मोरबी में उत्पादित होते हैं।

को सुपुर्द करने की प्रसन्नता ही कुछ और है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह विशेष रूप से उन बहनों को बधाई देंगे, जो इन घरों की मालिक बनीं और उन्होंने कामना की कि इस दीवाली पर लक्ष्मी उनके इस नए घर में निवास करें।

जूनागढ़

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 19 अक्टूबर को गुजरात के जूनागढ़ में लगभग 3580 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया। जूनागढ़ में इन परियोजनाओं में तटीय राजमार्गों में सुधार के साथ-साथ मिसिंग लिंक का निर्माण, दो जलापूर्ति परियोजनाएं और कृषि उत्पादों के भंडारण के लिए एक गोदाम परिसर का निर्माण शामिल है। श्री मोदी ने श्री कृष्ण रुक्मणी मंदिर, माधवपुर के समग्र विकास और सीवेज और जल आपूर्ति परियोजनाओं और पोरबंदर फिशरी हार्बर में रखरखाव की परियोजना का भी शिलान्यास किया। गिर सोमनाथ में प्रधानमंत्री ने दो परियोजनाओं की आधारशिला रखी, जिसमें माधवाड़ में एक मछली पकड़ने के बंदरगाह का विकास शामिल है।

सभा को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि दिवाली और धनतेरस के त्यौहार समय से पहले आ गए हैं और जूनागढ़ के लोगों के लिए नए साल के जश्न की तैयारी पहले से ही चल रही है। श्री मोदी ने उन परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने पर प्रसन्नता व्यक्त की, जो पहले के समय में राज्य के बजट से अधिक लागत की थीं। उन्होंने कहा कि यह सब गुजरात के लोगों के आशीर्वाद की वजह से संभव हुआ है।

श्री मोदी ने जूनागढ़, गिर सोमनाथ और पोरबंदर वाले क्षेत्र को गुजरात की पर्यटन राजधानी बताया। उन्होंने कहा कि आज जिन परियोजनाओं की योजना बनाई जा रही है, उनसे रोजगार और स्वरोजगार के अपार अवसर पैदा होंगे।

श्री मोदी ने कहा कि मां नर्मदा दूर का तीर्थ है, लोगों की मेहनत से मां नर्मदा सौराष्ट्र के गांवों में अपना आशीर्वाद देने पहुंची हैं। उन्होंने पूर्ण समर्पण के साथ प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए जूनागढ़ के किसानों की सराहना की। श्री मोदी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि गुजरात में उगाए जाने वाले केसर आम का स्वाद दुनिया के हर हिस्से में पहुंच रहा है।

मुख्य बातें

- किसान क्रेडिट कार्ड ने खासकर हमारे पशुपालन श्रमिकों और मछुआरा समुदाय के लिए जीवन को बहुत आसान बना दिया है।
- सरकार ने न केवल बंदरगाहों के लिए पहल की है, बल्कि बंदरगाह आधारित विकास को क्रियान्वित कर रही है।
- बढ़ता बुनियादी ढांचा पर्यटन को बड़े पैमाने पर बढ़ावा दे रहा है।

उन्होंने कहा कि कच्छ का रण जो मुसीबतों से घिरा था, अब गुजरात के विकास की ओर अग्रसर है। श्री मोदी ने कहा कि 25 साल पहले उन्होंने गुजरात के विकास के लिए जो संकल्प लिया था, वह अब साकार हो गया है। ■

गुजरात गौरव यात्रा का शुभारंभ

गुजरात ने विकास के नए आयाम स्थापित किये : जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 12 अक्टूबर, 2022 को गुजरात के बहुचाराजी (मेहसाणा) और देवभूमि द्वारका से गुजरात गौरव यात्रा का श्रीगणेश किया। गौरव यात्रा के शुभारंभ अवसर पर बहुचाराजी में श्री नड्डा के साथ-साथ गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री सी.आर. पाटिल, केंद्रीय मंत्री श्री पुरुषोत्तम रुपाला एवं श्री राव साहब दानवे, श्री नितिन पटेल सहित कई वरिष्ठ भाजपा नेता उपस्थित थे। वहीं देवभूमि द्वारका में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री सी.आर. पाटिल, केंद्रीय मंत्री श्री भूपेंद्र यादव, पूर्व मुख्यमंत्री श्री विजय रुपाणी एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं गुजरात सरकार में मंत्री श्री जीतू वाघाणी के साथ-साथ कई वरिष्ठ भाजपा नेता उपस्थित थे।

विकसित भारत के लक्ष्य के संकल्प पथ की गंगोत्री है गुजरात

इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि यह गौरव यात्रा भारतीय जनता पार्टी की यात्रा नहीं है, बल्कि यह गुजरात के विकास की यात्रा है, भारत के गौरव को स्थापित करने वाली गौरव यात्रा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज 'आत्मनिर्भर भारत' का मंत्र लेकर देश जिस विकसित भारत के संकल्प पथ पर तेज गति से चल रहा है, उस संकल्प पथ की गंगोत्री गुजरात की महान धरती है।

गुजरात की विकास गाथा

गुजरात की विकास कहानी को रेखांकित करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गुजरात ने विकास के नए आयाम स्थापित किये। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के पहले दिन से ही वे गुजरात के विकास के लिए समर्पित रहे हैं। वर्षों से अटकी हुई विकास परियोजनाओं को उन्होंने पूरा कराया। अभी हाल ही में प्रधानमंत्रीजी ने भुज में लगभग 4,400 करोड़ रुपये की योजनाओं की आधारशिला रखी। कच्छ में सरदार सरोवर कनाल का काम भी पूरा होने वाला है। 948 गांवों और 10 शहरों में ड्रिंकिंग वाटर पहुंचाने की योजना पर भी काम शुरू हो चुका है। लगभग 840 करोड़ रुपये की राशि से रीजनल वाटर सप्लाई स्कीम का भी श्रीगणेश हो चुका है। सौराष्ट्र में नर्मदा अवतरण योजना के तहत लगभग 18,500 करोड़ रुपये की योजना पर काम जारी है। गुजरात की धरती पर वर्ल्ड क्लास ओलम्पिक स्टेडियम बन रहा है। जामनगर में सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन बन रहा है। राजकोट में लगभग 1,200 करोड़ रुपये की लागत से एम्स का निर्माण हो रहा है। विद्या समीक्षा केंद्र पूरे देश को दिशा दिखाने वाला केंद्र बन गया है। इस केंद्र की वजह से स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति 26 प्रतिशत बढ़ गई है। शिक्षा के क्षेत्र में ये केंद्र पूरे देश में बड़े परिवर्तन ला सकता है।

उन्होंने कहा कि गुजरात पावर जेनरेशन में देश में दूसरे स्थान पर है। देश में सोलर पावर पॉलिसी बनाने वाला पहला राज्य गुजरात

गुजरात गौरव यात्रा 144 विधानसभाओं से होकर गुजरेगी और 5,734 किमी की दूरी तय करेगी

12 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक चलने वाली गौरव यात्रा गुजरात की 144 विधानसभाओं से होकर गुजरेगी और लगभग 5,734 किमी की दूरी तय करेगी। इस दौरान कम से कम 145 जन-सभाएं आयोजित होंगी। पहली गुजरात गौरव यात्रा मेहसाणा जिले के बहुचराजी से कच्छ जिले के माता नो मढ़ तक जाएगी। बहुचाराजी में विश्व प्रसिद्ध सूर्य मंदिर भी अवस्थित है। यह यात्रा 9 दिन में 9 जिलों की 33 विधानसभाओं से गुजरते हुए कुल 1,730 किलोमीटर की यात्रा तय करेगी। दूसरी गौरव यात्रा द्वारका से पोरबंदर तक निकलेगी। यह 13 जिलों की 35 विधानसभाओं का भ्रमण करते हुए कुल 990 किलोमीटर की यात्रा तय करेगी। तीसरी यात्रा अहमदाबाद जिले के संत सवैया नाथ मंदिर, जंजरका से अहमदाबाद के सोमनाथ तक जाएगी जो 14 जिलों की 31 विधानसभा क्षेत्रों से होते हुए कुल 1,068 किलोमीटर का सफर तय करेगी। चौथी यात्रा 21 विधानसभा क्षेत्रों को कवर करते हुए नवसारी जिले के उनाई माता मंदिर से दक्षिण गुजरात के खेड़ा जिले स्थित फगवेल तक जाएगी और 876 किमी का सफ़र तय करेगी। पांचवीं यात्रा आदिवासी समुदाय के सम्मान एवं उनके जीवन के उत्थान के प्रति समर्पित 'भगवान बिरसा मुंडा आदिवासी गौरव यात्रा' उनाई माता मंदिर से अंबाजी तक निकलेगी। यह लगभग 1,070 किलोमीटर चलकर 9 जिलों की 24 विधानसभाओं से होकर गुजरेगी।

गुजरात में विकास की यात्रा रुकने वाली नहीं है : अमित शाह

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री अमित शाह ने 13 अक्टूबर, 2022 को गुजरात के संत सवैया नाथ मंदिर जंजरका (अहमदाबाद) से गुजरात गौरव यात्रा का शुभारंभ किया। साथ ही, उन्होंने उनाई माता मंदिर (नवसारी) से गुजरात गौरव यात्रा और आदिवासी समुदाय के सम्मान एवं उनके जीवन के उत्थान के प्रति समर्पित 'भगवान बिरसा मुंडा आदिवासी गौरव यात्रा' का भी श्रीगणेश किया।

गौरव यात्रा के शुभारंभ अवसर पर अहमदाबाद में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री के साथ-साथ गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री सी.आर. पाटिल, केंद्रीय मंत्री श्री मनसुख मंडविया, श्री भूपेंद्र सिंह चूड़ासमा सहित कई वरिष्ठ भाजपा नेता उपस्थित थे। वहीं उनाई माता मंदिर में श्री शाह के साथ मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री सी.आर. पाटिल, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री श्री अर्जुन मुंडा, केंद्रीय मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश सहित गुजरात सरकार के कई मंत्री एवं भाजपा नेता उपस्थित थे।

अहमदाबाद के ऐतिहासिक संत सवैया नाथ मंदिर से गुजरात गौरव यात्रा की शुरुआत करते हुए श्री शाह ने कहा कि गुजरात गौरव यात्रा का उद्देश्य विगत 20 वर्षों से आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गुजरात में हुए विकास और सभी क्षेत्रों में आये बदलाव की कहानी को जन-जन तक पहुंचाना है और गुजरात की विकास यात्रा से जन-जन को जोड़ना है। कांग्रेस के शासनकाल में गुजरात में न बिजली थी, न पानी था, न उद्योग-धंधे थे— था तो केवल भ्रष्टाचार। दोनों हाथों से जनता की गाढ़ी कमाई को लूटा जा रहा था। कांग्रेस की सरकार में गुजरात में आये दिन कर्फ्यू लगा रहता था, समाज में वैमनस्यता और नफरत के बीज बोये जा रहे थे, लेकिन जब श्री नरेन्द्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री बने, तब से गुजरात में कर्फ्यू का कहीं भी नामोनिशां नहीं है। आज गुजरात के युवाओं को कर्फ्यू क्या होती है— यह भी नहीं मालूम। आज समाज में अराजकता फैलाने वाले जेल की सलाकों के पीछे बंद हैं। पहले मुख्यमंत्री और अब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गुजरात में शांति, विकास, सुरक्षा और समृद्धि का नया दौर शुरू हुआ है। विकास की यह यात्रा रुकने वाली नहीं है।

उनाई माता मंदिर, नवसारी से गुजरात गौरव यात्रा और भगवान बिरसा मुंडा आदिवासी गौरव यात्रा को हरी झंडी दिखाते हुए श्री शाह ने कहा कि ये भारतीय जनता पार्टी की श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी सरकार थी, जिसने अलग से आदिवासी कल्याण मंत्रालय का गठन किया। जब श्री नरेन्द्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री बने तो उन्होंने आदिवासी भाइयों के कल्याण के लिए वन बंधु कल्याण योजना शुरू की थी जो आदिवासी कल्याण की एक गेमचेंजर योजना साबित हुई। भाजपा की भूपेंद्र पटेल सरकार की ओर से वनबंधुओं के रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, आवास, पानी, सड़क, सिंचाई और शहरी विकास के लिए 1 लाख करोड़ रुपये के पैकेज की घोषणा की गई है।

श्री शाह ने कहा कि गुजरात की जनता से अपील करते हुए कहा कि आप सब तो सोच समझ कर निर्णय लेने के लिए जाने जाते हैं। आप तो पानी का मटका भी लेते हैं तो ठोक-बजा कर लेते हैं। कांग्रेस आती है तो भ्रष्टाचार, कुशासन और कर्फ्यू का दौर शुरू होता है, भाजपा की सरकार आती है तो शांति, विकास, सुरक्षा और समृद्धि आती है। ■

है। स्वच्छता सर्वे में गुजरात दूसरे स्थान पर है। गुजरात गुड गवर्नेंस इंडेक्स में पहले स्थान पर है। लॉजिस्टिक परफॉरमेंस में भी गुजरात नंबर वन है। इसी तरह एक्सपोर्ट और एफडीआई इनफ्लो में भी गुजरात देश में सबसे आगे है। गुजरात स्टार्ट-अप्स और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में भी काफी आगे है। संस्थागत डिलीवरी बढ़कर प्रदेश में 97 प्रतिशत तक पहुंच गई है जो कि एक रिकॉर्ड है। स्कूलों में ड्रॉप-आउट रेशियो भी काफी कम है। मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर भी गुजरात में काफी कम है। अभी कुछ दिन पहले ही प्रधानमंत्रीजी ने मेहसाणा में ही देश के पहले सोलर विलेज का श्रीगणेश किया है। यहां गांव-गांव, घर-घर बिजली पहुंचाई जा चुकी है। 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' से प्रदेश के लगभग तीन करोड़ लोगों को लाभ मिल रहा है। इसी तरह जन-धन योजना से भी लगभग 1.70 करोड़ लोग जुड़े हुए हैं। किसान सम्मान निधि से यहां के किसान लाभान्वित हो रहे हैं।

गुजरात की विकास गाथा को जन-जन तक पहुंचाना है गौरव यात्रा का लक्ष्य

श्री नड्डा ने कहा कि गुजरात ने विकास की जो गाथा लिखी है, उसे गांव-गांव और घर-घर पहुंचाना हमारी जिम्मेवारी है। पार्टी कार्यकर्ता गुजरात गौरव यात्रा के माध्यम से प्रदेश के गांव-गांव और घर-घर जाएं तथा लोगों को पिछले 21 वर्षों में गुजरात में हुए विकास के परिवर्तन को बताएं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गुजरात में भारतीय जनता पार्टी की पुनः ऐतिहासिक विजय निश्चित है। ■

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी में मिशन लाइफ का शुभारंभ

मिशन लाइफ का मंत्र 'पर्यावरण के लिए जीवन-शैली' है: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 20 अक्टूबर को संयुक्त राष्ट्र महासचिव श्री एंटोनियो गुटेरेस के साथ एक द्विपक्षीय बैठक में हिस्सा लेने के बाद गुजरात में केवडिया के एकता नगर में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी में मिशन लाइफ का शुभारंभ किया। संयुक्त राष्ट्र के सभी क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले 11 राष्ट्रों के प्रमुखों द्वारा मिशन लाइफ के शुभारंभ पर बधाई के वीडियो संदेश भी प्रसारित किए गए।

श्री मोदी ने मिशन लाइफ पहल को शुरू करने के लिए भारत को मिले समर्थन पर प्रसन्नता व्यक्त की और सभी राष्ट्रों के प्रमुखों को इस महान अवसर पर बधाई संदेश भेजने के लिए धन्यवाद दिया।

श्री मोदी ने कहा कि मिशन लाइफ का मंत्र 'पर्यावरण के लिए जीवन-शैली' है। मिशन लाइफ के लाभों पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह इस धरती की सुरक्षा के लिए जन-जन की शक्तियों को जोड़ता है, उनका बेहतर इस्तेमाल करना सिखाता है।

उन्होंने कहा कि मिशन लाइफ जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई को लोकतांत्रिक बनाता है, जिसमें हर कोई अपने सामर्थ्य के हिसाब से योगदान दे सकता है। श्री मोदी ने कहा कि मिशन लाइफ हमें प्रेरित करता है कि हम सब अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में ऐसा बहुत कुछ कर सकते हैं जिसमें पर्यावरण की सुरक्षा हो। मिशन लाइफ मानता है कि अपनी जीवनशैली में बदलाव करके पर्यावरण की रक्षा की जा सकती है।

उन्होंने बिजली बिल कम करने और पर्यावरण की रक्षा के लिए भारत में एलईडी बल्ब को अपनाने का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि इससे बड़े पैमाने पर बचत व पर्यावरणीय लाभ हुए और यह एक निरंतर स्थायी लाभ है।

प्रधानमंत्री ने बताया कि मिशन लाइफ पी-3 मॉडल की अवधारणा को मजबूत करेगा। पी-3 यानी प्रो प्लेनेट पीपल। मिशन लाइफ धरती के लोगों को प्रो प्लेनेट पीपल के तौर पर जोड़ता है, सबको अपने विचार में समाहित कर एक कर देता है। यह 'लाइफ स्टाइल ऑफ द प्लेनेट, फॉर द प्लेनेट एंड बाय द प्लेनेट' के मूल सिद्धांत पर चलता है।

भारत में हजारों वर्षों से प्रकृति की पूजा करने की परंपरा

श्री मोदी ने कहा कि अतीत की गलतियों से सीख लेकर ही भविष्य का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है। उन्होंने याद किया कि भारत में हजारों वर्षों से प्रकृति की पूजा करने की परंपरा रही है। वेदों में प्रकृति के तत्वों जैसे जल, पृथ्वी, भूमि, अग्नि और जल के महत्व का सटीक उल्लेख है। प्रधानमंत्री ने अथर्ववेद को उद्धृत किया और कहा, 'माता भूमिः पुत्रोहं पृथिव्याः' यानी पृथ्वी हमारी मां है और हम उसकी संतान हैं।'

श्री मोदी ने 'रिड्यूस, रियूज एंड रिसाइकल' और सर्कुलर

इकोनॉमी की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह हजारों वर्षों से भारतीयों की जीवन-शैली का हिस्सा रही है। दुनिया के अन्य हिस्सों की बात करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसी प्रथाएं प्रचलित हैं, जो हमें प्रकृति के साथ तालमेल बिठाकर चलने के लिए प्रेरित करती हैं।

श्री मोदी ने कहा कि मिशन लाइफ में प्रकृति के संरक्षण से जुड़ी हर उस जीवन-शैली को शामिल किया जाएगा, जिसे हमारे पूर्वजों ने अपनाया था और जिसे आज हमारी जीवन-शैली का हिस्सा बनाया जा सकता है। ■

भारत एक महत्वपूर्ण ब्रिजिंग भूमिका निभा सकता है: संयुक्त राष्ट्र महासचिव

संयुक्त राष्ट्र महासचिव श्री एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट-लाइफ पहल को आवश्यक और आशावादी सच्चाइयों को रेखांकित करने के लिए डिजाइन किया गया है। उन्होंने कहा कि जलवायु प्रभावों और इसकी विशाल अर्थव्यवस्था के प्रति अपनी संवेदनशीलता के साथ भारत एक महत्वपूर्ण ब्रिजिंग भूमिका निभा सकता है।

महात्मा गांधी का हवाला देते हुए श्री गुटेरेस ने कहा कि दुनिया के पास सभी की जरूरतों के लिए पर्याप्त संसाधन है, लेकिन हर किसी के लालच के लिए नहीं। उन्होंने कहा कि अब जबकि भारत पूरी तरह से अपने इतिहास, संस्कृति और परंपरा के अनुरूप स्थिरता के एक नये युग की शुरुआत करने में मदद देने हेतु जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण करने वाला है, उन्होंने सभी देशों से भारत पर भरोसा करने का भी आग्रह किया। ■

युवाओं से लोकनायक जयप्रकाश नारायणजी के जीवन से प्रेरणा लेते हुए देश के पुनर्निर्माण में सहयोग देने का आह्वान

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री अमित शाह ने 11 अक्टूबर, 2022 को सिताबदियारा (बिहार) में लोकनायक जयप्रकाश नारायणजी की जन्म जयंती के अवसर पर लोकनायक जयप्रकाश नारायणजी के स्मारक का उद्घाटन किया एवं उनकी आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए श्री शाह ने युवाओं से महान लोकनायक जयप्रकाश नारायणजी के जीवन से प्रेरणा लेते हुए देश के पुनर्निर्माण में सहयोग देने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डॉ. संजय जायसवाल, केंद्रीय मंत्री श्री नित्यानंद राय, श्री अश्वनी चौबे, पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री राधामोहन सिंह, स्थानीय सांसद एवं पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री राजीव प्रताप रुडी, पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं सांसद श्री सुशील मोदी, जयप्रभा राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं सांसद श्री वीरेन्द्र मस्त, श्री नीरज शेखर सहित कई वरिष्ठ भाजपा नेता एवं यूपी सरकार के कई मंत्रीगण उपस्थित थे।

श्री शाह ने कहा कि लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी की जन्म जयंती के दिन आज मुझे उनके जन्म स्थान पर आने और उनकी प्रतिमा का अनावरण करने का परम सौभाग्य प्राप्त हुआ है। लोकनायकजी के कार्यों से समग्र राष्ट्र के युवाओं को प्रेरित करने के उद्देश्य से हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने उनके जन्म स्थान पर उनकी आदमकद प्रतिमा और उनके नाम पर स्मारक बनाने का निर्णय लिया था, जिसका संयोगवश उनकी जन्म जयंती के अवसर पर ही लोकार्पण हो रहा है।

उन्होंने कहा कि लोकनायक जयप्रकाश नारायणजी का संपूर्ण जीवन अनेक मायनों में विशिष्ट रहा है। वे देश की आजादी के लिए क्रांति के रास्ते पर भी लड़े, महात्मा गांधी जी के बताये रास्ते से भी लड़े और आजादी के बाद जब सत्ता में भागीदारी का समय आया तो वे एक संन्यासी की भांति सत्ता का परित्याग करते हुए आचार्य विनोबा भावेजी के सर्वोदय आंदोलन के साथ जुड़ कर जीवन भर भूमिहीनों, गरीबों, दलितों एवं पिछड़ों के कल्याण के लिए लड़ते रहे। लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी ने समाजवाद, सर्वोदय की विचारधारा और जातिविहीन समाज की रचना की कल्पना की थी और इसके लिए जीवन पर्यंत काम किया।

भ्रष्टाचार के खिलाफ गुजरात के विद्यार्थियों ने आंदोलन किया और उस आंदोलन का नेतृत्व लोकनायक जयप्रकाश नारायणजी ने किया था, जिसके बल पर गुजरात में सत्ता परिवर्तन हुआ। उसके बाद बिहार में उनके नेतृत्व में आंदोलन शुरू हुआ

श्री शाह ने कहा कि जब 70 के दशक में जब सत्ता में बैठी कांग्रेस सरकार ने भ्रष्टाचार की खुली लूट के लिए देश पर आपातकाल थोपा, तब लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी ने इसके खिलाफ बहुत बड़ा आंदोलन किया। 1973 में गुजरात में इंदिराजी की अगुवाई में कांग्रेस की सरकार चल रही थी, चिमन भाई पटेल मुख्यमंत्री थे और बिहार में अब्दुल गफूर मुख्यमंत्री थे। तब केंद्र की इंदिरा गांधी सरकार के संरक्षण में सार्वजनिक रूप से कांग्रेस सरकारें चंदा उगाहने का काम कर रही थी, तब इस भ्रष्टाचार के खिलाफ गुजरात के विद्यार्थियों ने आंदोलन किया और उस आंदोलन का नेतृत्व लोकनायक जयप्रकाश नारायणजी ने किया था, जिसके बल पर गुजरात में सत्ता परिवर्तन हुआ। उसके बाद बिहार में उनके नेतृत्व में आंदोलन शुरू हुआ। गांधी मैदान में उनकी ऐतिहासिक रैली को देखकर तब इंदिरा गांधी के पसीने छूट गए थे। जब जनता और अदालत, दोनों का निर्णय इंदिरा गांधी के खिलाफ आया, तब इंदिरा गांधी जी ने देश पर आपातकाल थोप दिया। लोकनायक जयप्रकाश जी को भी जेल में डाल दिया गया। उनके साथ ही विपक्ष के कई नेताओं को भी जबरन जेल में डाल दिया गया, उन्हें यातनाएं दी गई। जब देश से आपातकाल का काला दौर ख़त्म हुआ तब लोकनायक ने पूरे विपक्ष को एक किया और इसका परिणाम यह हुआ कि देश में पहली बार एक गैर-कांग्रेसी सरकार का गठन हुआ। पहली बार जेपी ने जनसंघ को भी साथ में लिया और सत्ता से बाहर कर किस प्रकार परिवर्तन किया जा सकता है, उसका एक उत्कृष्ट उदाहरण उन्होंने प्रस्तुत किया। ■

पंच परमेश्वर रैली, रामलीला मैदान, नई दिल्ली

'केजरीवाल सरकार घोटालों की सरकार है'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 16 अक्टूबर, 2022 को नई दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में आयोजित विशाल 'पंच परमेश्वर' रैली को संबोधित किया और पार्टी कार्यकर्ताओं को भाजपा का आधार स्तंभ बताते हुए दिल्ली की झूठी एवं भ्रष्टाचारी अरविंद केजरीवाल सरकार पर जोरदार प्रहार किया। कार्यक्रम में दिल्ली के सभी 13,000 से अधिक बूथों से पंच परमेश्वर शामिल हुए थे। कार्यक्रम में मंच पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता, दिल्ली के भाजपा प्रभारी एवं पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री बैजयंत जय पांडा, सह-प्रभारी श्रीमती अलका गुर्जर, दिल्ली विधान सभा में विपक्ष के नेता श्री रामबीर सिंह बिधूड़ी सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता एवं पार्टी पदाधिकारी उपस्थित थे।

केजरीवाल सरकार घोटालों की सरकार

श्री नड्डा ने पंच परमेश्वर रैली में आये हुए सभी पार्टी कार्यकर्ताओं का हृदय से स्वागत और अभिनंदन किया और उनसे दिल्ली से पहले नगर निगम चुनाव में, फिर आने वाले विधान सभा चुनाव में झूठी, भ्रष्टाचारी और जनता से विश्वासघात करने वाली अरविंद केजरीवाल सरकार को उखाड़ फेंकने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार घोटालों की सरकार है।

केजरीवाल सरकार का शराब घोटाला

शराब घोटाले को लेकर अरविंद केजरीवाल पर करारा हमला करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि सत्ता में आने से पहले केजरीवाल कहते थे कि शराबबंदी करेंगे। ये बहुत बुरी चीज होती हैं। कहते थे कि दुकानें कम करूंगा, गली-मोहल्लों से शराब के दुकानों को बंद करूंगा। जैसे ही सत्ता में आये, हर गली-मोहल्ले में शराब की दुकानें खोल दी और युवाओं के भविष्य को बर्बाद करने का अपराध किया। पहले दिल्ली में शराब बिक्री पर ठेकेदारों को केवल 2 प्रतिशत कमीशन मिलता था, केजरीवाल सरकार ने उसे बढ़ाकर 12 प्रतिशत कर दिया। इसका परिणाम यह हुआ कि जहां शराब बिक्री के कमीशन में ठेकेदारों को केवल 400 करोड़ रुपये जाते थे, वहां कमीशन में लगभग 2,400 करोड़ रुपये जाने लगे। स्टिंग ऑपरेशन में यह सामने आया है कि शराब ठेकेदारों को 12 प्रतिशत कमीशन देकर उनसे 6 फीसदी कमीशन का रुपया अवैध तरीके से आम आदमी पार्टी और उसके नेताओं ने अपने लिए ले लिया। मतलब ये कि जो पैसे सरकार के खजाने में जाने चाहिए थे, वे अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी की झोली में आ गए। ये सच्चाई स्टिंग से सामने आई है। ऐसे घोटालेबाजों को सत्ता में बने नहीं रहना चाहिए।

केजरीवाल सरकार का एजुकेशन स्कैम

दिल्ली की केजरीवाल सरकार के शिक्षा मॉडल पर निशाना साधते हुए भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि अरविन्द केजरीवाल, उनके मंत्री और आम आदमी पार्टी दिल्ली के शिक्षा मॉडल को लेकर तरह-तरह के दावे करती है। कहती है कि दिल्ली के शिक्षा मॉडल की तारीफ़ दुनिया भर में हो रही है लेकिन सच्चाई इसके ठीक उलट है। दिल्ली में स्कूलों में लगभग 2526 कमरे और 160 टॉयलेट्स बनाने थे, जिसके लिए 860 करोड़ रुपये का टेंडर जारी हुआ था। सेन्ट्रल विजिलेंस कमीशन ने अपने ऑब्जरवेशन में एक क्लास रूम की निर्माण लागत 5 लाख रुपये आंकी, जबकि अरविन्द केजरीवाल सरकार ने ठेकेदारों को लगभग एक क्लास के लिए 33 लाख रुपये का भुगतान किया। साथ ही, निर्माण और कार्यों में भी जमकर धांधली की गई।

दिल्ली जल बोर्ड में घोटाला और हेल्थ स्कैम

दिल्ली जल बोर्ड में हुए घोटाले को लेकर अरविन्द केजरीवाल पर निशाना साधते हुए श्री नड्डा ने कहा कि दिल्ली जल बोर्ड पहले लगभग 500 करोड़ रुपये से अधिक के लाभ में था, लेकिन आज यह करोड़ों रुपये के घाटे में चला गया है। सीएजी ने 17 चिट्ठियां लिखी हैं लेकिन अब तक लगभग 57,000 करोड़ रुपये के घाटे और ऋण की देनदारियों की ऑडिट भी नहीं हुई है। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य घोटाले से तो सब लोग वाकिफ हैं ही। मोहल्ला क्लीनिक के नाम पर जमकर भ्रष्टाचार हुआ।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हो रहा देश का चहुंमुखी विकास

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में चहुंमुखी विकास हो रहा है। दिल्ली में श्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने विकास के कई कार्य किए, लेकिन नाकारा केजरीवाल सरकार दिल्ली के विकास कार्यों में बाधा डालने का काम करती रही है। भारतीय जनता पार्टी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत', 'सबका साथ-सबका विकास' और अंत्योदय के सिद्धांत के मूल मंत्र पर काम करती है।

एमसीडी चुनाव में जीत के बाद भाजपा मनाएगी विजय का उत्सव

श्री नड्डा ने कहा कि भाजपा ने एमसीडी में काफी कार्य किया है। 2012 में जब एमसीडी का विभाजन हुआ था, तब से तीनों नगर निगमों के काम-काज में काफी दिक्कत आ रही थी। तीनों नगर निगम विभाजन के बाद से फंड की कमी से जूझ रहे थे, विकास की गति भी बाधित हो रही थी। अब हमने तीनों नगर निगमों को एक बनाया है। निगर निगम चुनाव के बाद हम सब पुनः विजय उत्सव मनाएंगे। ■

उज्जैन में महाकाल लोक परियोजना का पहला चरण राष्ट्र को समर्पित

भारत अपने गौरव, वैभव की पुनर्स्थापना कर रहा है: प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 11 अक्टूबर को महाकाल लोक परियोजना के पहले चरण को राष्ट्र को समर्पित करने और मध्य प्रदेश के उज्जैन में महाकाल मंदिर के आंतरिक गर्भगृह में पूजा और आरती करने के बाद एक सार्वजनिक समारोह को संबोधित किया।

श्री मोदी ने कहा कि ज्योतिषीय गणनाओं में उज्जैन न केवल भारत का केंद्र रहा है, बल्कि ये भारत की आत्मा का भी केंद्र रहा है। ये वो नगर है, जो हमारी पवित्र सात पुरियों में से एक गिना जाता है। ये वो नगर है, जहां स्वयं भगवान कृष्ण ने भी आकर शिक्षा ग्रहण की थी। उज्जैन ने महाराजा विक्रमादित्य का वो प्रताप देखा है, जिसने भारत के नए स्वर्णकाल की शुरुआत की थी। महाकाल की इसी धरती से विक्रम संवत के रूप में भारतीय काल गणना का एक नया अध्याय शुरू हुआ था।

उन्होंने कहा कि उज्जैन के क्षण-क्षण में, पल-पल में इतिहास सिमटा हुआ है, कण-कण में आध्यात्म समाया हुआ है और कोने-कोने में ईश्वरीय ऊर्जा संचारित हो रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उज्जैन ने हजारों वर्षों तक भारत के धन और समृद्धि, ज्ञान और सम्मान, सभ्यता और साहित्य का नेतृत्व किया है।

भारत में धर्म के अर्थ पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि यह हमारे कर्तव्यों का सामूहिक संकल्प है। हमारे संकल्पों का ध्येय है, विश्व का कल्याण, मानव मात्र की सेवा। श्री मोदी ने दोहराया कि हम शिव की आराधना करते हैं और विश्वपति को नमन करते हैं, जो अनेक रूपों से पूरे विश्व के हितों में लगे हैं। यही भावना हमेशा भारत के तीर्थों, मंदिरों, मठों और आस्था केन्द्रों की भी रही है। उन्होंने कहा कि विश्व के हित के लिए, विश्व की भलाई के लिए कितनी प्रेरणाएं यहां निकल सकती हैं।

श्री मोदी ने कहा कि जहां नवोन्मेष है, वहीं पर नवीकरण भी है। उन्होंने कहा कि हमने गुलामी के कालखंड में जो खोया, आज भारत उसे फिर से हासिल कर रहा है। भारत के गौरव, वैभव की पुनर्स्थापना हो रही है और इसका लाभ पूरे देश और मानवता को मिलेगा। अपना भाषण समाप्त करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि महाकाल के आशीर्वाद से भारत की भव्यता विश्व के विकास की नई संभावनाओं को जन्म देगी और भारत की दिव्यता दुनिया के लिए शांति का मार्ग प्रशस्त करेगी।

महाकाल लोक

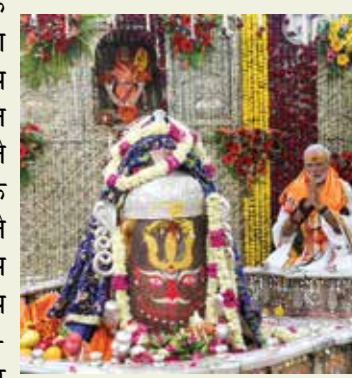

महाकाल लोक परियोजना का पहला चरण विश्व स्तरीय आधुनिक सुविधाएं प्रदान करके यहां मंदिर में आने वाले तीर्थयात्रियों के अनुभव को समृद्ध करने में मदद करेगा। इस परियोजना का उद्देश्य इस पूरे क्षेत्र में भीड़-भाड़ को कम करना और विरासत संरचनाओं के संरक्षण और जीर्णोद्धार पर विशेष जोर देना है। इस परियोजना के तहत मंदिर परिसर का करीब सात गुना विस्तार किया जाएगा। इस पूरी परियोजना की कुल लागत लगभग 850 करोड़ रुपये है। इस मंदिर का मौजूदा फुटफॉल वर्तमान में लगभग 1.5 करोड़ प्रति वर्ष है। इसके दोगुना होने की उम्मीद है। इस परियोजना के विकास की योजना दो चरणों में बनाई गई है।

यहां महाकाल पथ में 108 स्तंभ हैं जो भगवान शिव के आनंद तांडव स्वरूप (नृत्य रूप) को दर्शाते हैं। महाकाल पथ के किनारे भगवान शिव के जीवन को दर्शाने वाली कई धार्मिक मूर्तियां स्थापित की गई हैं। इस पथ के साथ-साथ बने भित्ति चित्र शिव पुराण में वर्णित सृजन के कार्य, गणेश के जन्म, सती और दक्ष की कहानियों पर आधारित है। इस प्लाजा का क्षेत्रफल 2.5 हेक्टेयर में फैला हुआ है और एक ये कमल के तालाब से घिरा हुआ है, जिसमें पानी के फव्वारे के साथ शिव की मूर्ति है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सर्विलांस कैमरों की मदद से इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर द्वारा इस पूरे परिसर की चौबीसों घंटे निगरानी की जाएगी। ■

75 जिलों में 75 डिजिटल बैंकिंग इकाइयां राष्ट्र को समर्पित

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 16 अक्टूबर को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से देश के 75 जिलों में 75 डिजिटल बैंकिंग इकाइयां (डीबीयू) राष्ट्र को समर्पित कीं। दरअसल, 2022-23 के केंद्रीय बजट भाषण के हिस्से के रूप में वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने हमारे देश की आजादी के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में 75 जिलों में 75 डिजिटल बैंकिंग इकाइयों (डीबीयू) स्थापित करने की घोषणा की थी।

डीबीयू की स्थापना का उद्देश्य डिजिटल बैंकिंग का लाभ देश के कोने-कोने तक पहुंचाना है, जो सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को कवर करेगा। 11 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, 12 निजी क्षेत्र के बैंक और एक लघु वित्त बैंक इस पहल में भाग ले रहे हैं।

डीबीयू ऐसे आधारभूत आउटलेट होंगे, जो लोगों को विभिन्न प्रकार की डिजिटल बैंकिंग सुविधाएं प्रदान करेंगे, जैसेकि बचत खाता खोलना, बैलेंस-चेक, प्रिंट पासबुक, फंड ट्रांसफर, फिक्स्ड डिपॉजिट में निवेश, ऋण आवेदन, स्टॉप-पेमेंट निर्देश, जारी किए गए चेक, क्रेडिट/डेबिट कार्ड के लिए आवेदन करना, खाते का विवरण देखना, करों का भुगतान करना, बिलों का भुगतान करना, नामांकन करना आदि।

डीबीयू ग्राहकों को पूरे वर्ष बैंकिंग उत्पादों और सेवाओं तक किफायती, सुविधाजनक पहुंच व बेहतर डिजिटल अनुभव प्रदान करने में सक्षम बनाएगा। वे डिजिटल वित्तीय साक्षरता का प्रसार करेंगे और साइबर सुरक्षा जागरूकता के साथ-साथ सुरक्षा संबंधी उपायों पर ग्राहक शिक्षा पर विशेष जोर दिया जाएगा।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि 75 डिजिटल बैंकिंग इकाइयां (डीबीयू) वित्तीय समावेशन को आगे बढ़ाएंगी और नागरिकों को बेहतर बैंकिंग सेवा का अनुभव भी कराएंगी। उन्होंने कहा कि ये एक ऐसी विशेष बैंकिंग व्यवस्था है जो न्यूनतम डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर से अधिकतम सेवाएं देने का काम करेगी। ये सेवाएं कागजी लिखा-पढ़ी और झंझटों से मुक्त होंगी और पहले से कहीं ज्यादा आसान होंगी।

श्री मोदी ने कहा कि हमने दो चीजों पर एक साथ काम किया। पहला— बैंकिंग व्यवस्था को सुधारना उसे मजबूत करना, उसमें पारदर्शिता लाना और दूसरा— वित्तीय समावेश करना। उन्होंने कहा कि हमने बैंकिंग सेवाओं को दूर-सुदूर में घर-घर तक पहुंचाने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत के 99 प्रतिशत से अधिक गांवों में 5 किमी के दायरे में कोई न कोई बैंक शाखा, बैंकिंग आउटलेट या 'बैंकिंग मित्र' है। उन्होंने कहा कि आज भारत में प्रति एक लाख वयस्क नागरिकों पर जितनी बैंक शाखाएं मौजूद हैं, वह जर्मनी, चीन और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों से अधिक है। ■

रेलवे द्वारा यात्री खंड में अर्जित राजस्व में 92 प्रतिशत की वृद्धि

रेल मंत्रालय द्वारा 11 अक्टूबर को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार पहली अप्रैल, 2022 से 08 अक्टूबर, 2022 तक की अवधि के दौरान मूल आधार पर भारतीय रेल की कुल अनुमानित आय 33476 करोड़ रुपये रही। इस प्रकार, भारतीय रेल ने पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान अर्जित किए गए 17394 करोड़ रुपये की तुलना में 92 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की।

आरक्षित यात्री खंड में पहली अप्रैल, 2022 से 08 अक्टूबर, 2022 तक की अवधि के दौरान बुक किए गए यात्रियों की कुल अनुमानित संख्या 42.89 करोड़ है, जोकि पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान 34.56 करोड़ की तुलना में 24 प्रतिशत अधिक है। पहली अप्रैल, 2022 से 08 अक्टूबर, 2022 तक की अवधि के दौरान आरक्षित यात्री खंड से अर्जित राजस्व 26961 करोड़ रुपये है, जोकि पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान अर्जित 16307 करोड़ रुपये की तुलना में 65 प्रतिशत अधिक है।

अनारक्षित यात्री खंड में पहली अप्रैल, 2022 से 08 अक्टूबर, 2022 तक की अवधि के दौरान बुक किए गए यात्रियों की कुल अनुमानित संख्या 268.56 करोड़ है, जोकि पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान 90.57 करोड़ की तुलना में 197 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। पहली अप्रैल, 2022 से 08 अक्टूबर, 2022 तक की अवधि के दौरान अनारक्षित यात्री खंड से अर्जित राजस्व 6515 करोड़ रुपये है, जोकि पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान अर्जित 1086 करोड़ रुपये की तुलना में 500 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। ■

सभी रबी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में भारी वृद्धि, गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 110 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ा

सफेद सरसों और सरसों के लिए अधिकतम रिटर्न की दर 104 प्रतिशत है तथा यह रिटर्न गेहूं के लिए 100 प्रतिशत, मसूर के लिए 85 प्रतिशत; चने के लिए 66 प्रतिशत; जौ के लिए 60 प्रतिशत; और कुसुम के लिए 50 प्रतिशत है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने 18 अक्टूबर को विपणन सीजन 2023-24 के लिए सभी अनिवार्य रबी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में भारी वृद्धि को मंजूरी दे दी।

केंद्र सरकार ने रबी फसलों के विपणन सीजन 2023-24 के लिए एमएसपी में वृद्धि की है, ताकि उत्पादकों को उनकी उपज के लिए लाभकारी मूल्य सुनिश्चित किया जा सके। मसूर के लिए 500/- रुपये प्रति क्विंटल और इसके बाद सफेद सरसों व सरसों के लिए 400/- रुपये प्रति क्विंटल एमएसपी में पूर्ण रूप से उच्चतम वृद्धि को मंजूरी दी गई। कुसुम के लिए 209/- रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि को मंजूरी दी गई। गेहूं, चना और जौ के लिए क्रमशः 110 रुपये प्रति क्विंटल और 100 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि को मंजूरी दी गई।

विपणन सीजन 2023-24 के लिए रबी फसलों के लिए एमएसपी में वृद्धि केंद्रीय बजट 2018-19 की घोषणा के अनुरूप है, जिसमें एमएसपी को अखिल भारतीय भारित औसत उत्पादन लागत के 1.5 गुना के स्तर पर तय किया गया है, जिसका लक्ष्य किसानों के लिए उचित पारिश्रमिक तय करना है। सफेद सरसों और सरसों के लिए अधिकतम रिटर्न की दर 104 प्रतिशत है, इसके बाद गेहूं के लिए 100 प्रतिशत, मसूर के लिए 85 प्रतिशत है; चने के लिए 66 प्रतिशत; जौ के लिए 60 प्रतिशत और कुसुम के लिए 50 प्रतिशत है।

वर्ष 2014-15 से तिलहन और दलहन के उत्पादन को बढ़ाने पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित किया गया है। इन प्रयासों के अच्छे परिणाम मिले हैं। तिलहन उत्पादन 2014-15 में 27.51 मिलियन टन से बढ़कर 2021-22 में 37.70 मिलियन टन (चौथा अग्रिम अनुमान) हो गया है। दलहन उत्पादन में भी इसी तरह की वृद्धि की प्रवृत्ति दर्ज की गई है।

2014-15 के बाद से दलहन और तिलहन की उत्पादकता में काफी वृद्धि हुई है। दलहन के मामले में उत्पादकता 728 किग्रा/हेक्टेयर (2014-15) से बढ़कर 892 किग्रा/हेक्टेयर हो गई है (चौथा अग्रिम अनुमान, 2021-22) अर्थात इसमें 22.53 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसी प्रकार तिलहन फसलों में उत्पादकता 1075 किग्रा/हेक्टेयर (2014-15) से बढ़कर 1292 किग्रा/हेक्टेयर (चौथा अग्रिम अनुमान, 2021-22) हो गई है।

केंद्र सरकार की प्राथमिकता तिलहन और दलहन के उत्पादन को बढ़ाते हुए 'आत्मनिर्भर भारत' के उद्देश्य को पूरा करना है। तैयार की गई रणनीतियां क्षेत्र के विस्तार, उच्च उपज वाली किस्मों (एचवाईवी), एमएसपी समर्थन और खरीद के माध्यम से उत्पादन बढ़ाने के लिए हैं।

राष्ट्र के विकास में हमारे किसान भाई-बहन अहम भागीदार हैं। उन्हें और सशक्त बनाने के लिए सरकार ने आज गेहूं, मसूर, चना और जौ सहित सभी अनिवार्य रबी फसलों की एमएसपी में वृद्धि को मंजूरी दी है। ये निर्णय कृषि क्षेत्र को और अधिक ऊर्जावान बनाएगा।

— नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

आज आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में हमारे किसान भाइयों को एक और सौगात देते हुए कैबिनेट ने विपणन सीजन 2023-24 के लिए रबी की 6 फसलों के एमएसपी में वृद्धि को स्वीकृति दी। अन्नदाताओं की आय को दोगुना करने के लिए संकल्पित मोदी सरकार। प्रधानमंत्री जी का आभार।

— जगत प्रकाश नड्डा, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष

भारतीय रेलवे ने शुरू किए 15 गति शक्ति कार्गो टर्मिनल

रेल मंत्रालय द्वारा 19 अक्टूबर को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार अब तक 15 'गति शक्ति मल्टी-मोडल कार्गो टर्मिनल' (जीसीटी) चालू किए जा चुके हैं और जीसीटी के विकास के लिए लगभग 96 और स्थानों की अनंतिम रूप से पहचान की गई है। अगले तीन वित्तीय वर्षों के दौरान 100 गति शक्ति कार्गो टर्मिनलों को चालू करने का लक्ष्य रखा गया है। दरअसल, उद्योग की मांग और कार्गो यातायात की क्षमता के आधार पर जीसीटी के स्थान तय किए जा रहे हैं। ■

भारतीय रेलवे ने कुल ब्रॉड गेज नेटवर्क के 81.51% का पूरा किया विद्युतीकरण

अप्रैल-सितंबर 2022 में 851 रूट किलोमीटर का विद्युतीकरण किया गया। यह पिछले वर्ष की इसी अवधि के रूट किलोमीटर विद्युतीकरण से 51.4% अधिक है

भारतीय रेलवे ने अपने संपूर्ण ब्रॉड गेज नेटवर्क के विद्युतीकरण की महत्वाकांक्षी योजना प्रारंभ की है, जिसकी परिणति केवल बेहतर ईंधन ऊर्जा के उपयोग, थ्रूपुट में वृद्धि, ईंधन पर होने वाले व्यय में कमी के रूप में ही नहीं होगी, बल्कि इसकी बदौलत बहुमूल्य विदेशी मुद्रा की भी बचत होगी।

रेल मंत्रालय द्वारा 14 अक्टूबर को जारी एक बयान के अनुसार वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान सितंबर, 2022 तक भारतीय रेल ने वित्त वर्ष 2021-22 की इसी अवधि के दौरान हासिल 562 रूट किलोमीटर (आरकेएम) की तुलना में 851 रूट किलोमीटर (आरकेएम) हासिल कर लिया है। यह पिछले वर्ष की इसी अवधि के आंकड़ों से 51.4% अधिक है। इस वित्तीय वर्ष के दौरान विद्युतीकरण का लक्ष्य 6500 आरकेएम है।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2021-22 के दौरान भारतीय रेल के इतिहास में 6,366 आरकेएम का रिकॉर्ड विद्युतीकरण हासिल किया गया था। इससे पहले 2020-21 के दौरान उच्चतम विद्युतीकरण 6,015 आरकेएम था। 30 सितंबर, 2022 तक भारतीय रेल के बीजी नेटवर्क के 65,141 आरकेएम (केआरसीएल सहित) में से 53,098 बीजी आरकेएम का विद्युतीकरण किया जा चुका है, जो कुल बीजी नेटवर्क का 81.51% है। ■

भारतीय सेना ने अग्निवीर वेतन पैकेज के लिए देश के ग्यारह बैंकों के साथ ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

रक्षा मंत्रालय द्वारा 15 अक्टूबर को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार भारतीय सेना ने अग्निवीरों को नामांकन कराने पर बैंकिंग सुविधाएं प्रदान करने के लिए 11 बैंकों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इनमें भारतीय स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, आईडीबीआई बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, यस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, आईडीएफसी फर्स्ट और बंधन बैंक शामिल हैं। एडजुटेंट जनरल लेफ्टिनेंट जनरल सी बंसी पोनप्पा की अध्यक्षता में 14 अक्टूबर, 2022 को भारतीय सेना एक समारोह के दौरान महानिदेशक (एमपी एंड पीएस) लेफ्टिनेंट जनरल वी. श्रीहरी और बैंकों के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए।

अग्निवीर वेतन पैकेज के तहत दी जाने वाली सुविधाएं एवं लाभ रक्षा वेतन पैकेज के ही समान हैं। इसके अलावा, बैंकों ने अपनी सेवा पूरी करने वाले अग्निवीरों को उनके उद्यमशीलता कौशल को बढ़ावा देने और इसे बेहतर बनाने के लिए बेहद कम ब्याज अथवा बिना ब्याज के ऋण उपलब्ध कराने की पेशकश की है। 'अग्निपथ योजना' के तहत अग्निवीरों के पहले बैच को जनवरी, 2023 तक प्रशिक्षण केंद्रों में प्रशिक्षण देना प्रारंभ कर दिया जाएगा। ■

प्रधानमंत्री आवास योजना–शहरी के तहत 1.23 करोड़ घरों को किया गया स्वीकृत

केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य तथा पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री श्री हरदीप एस. पुरी ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना–शहरी (पीएमएवाई-यू) दुनिया की सबसे बड़ी आवास योजना के रूप में उभरी है। 19 अक्टूबर को राजकोट में प्रधानमंत्री आवास योजना–शहरी पुरस्कार 2021 के अभिनंदन समारोह में बोलते हुए उन्होंने रेखांकित किया कि इस योजना के तहत 1.23 करोड़ घरों को पहले ही स्वीकृत किया जा चुका है। यह आंकड़ा 2004 से 2014 तक के शासनकाल के 10 वर्षों की तुलना में नौ गुना अधिक है। कुल 64 लाख घर निर्मित करने के बाद सौंपे जा चुके हैं तथा शेष घर भी निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं।

श्री पुरी ने कहा कि जून, 2015 में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना और नेतृत्व के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना–शहरी, स्मार्ट सिटी मिशन, अटल नवीकरण और शहरी परिवर्तन मिशन (अमृत) तथा स्वच्छ भारत जैसी प्रमुख योजनाएं पहले शुरू हुईं और अत्यंत समग्र व योजनाबद्ध शहरीकरण योजना की आधारशिला रखी गई, जो पूरी दुनिया में नायाब है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की परिकल्पना ने स्वदेशी तथा वैश्विक नवोन्मेषी निर्माण प्रोद्यौगिकियों को उत्प्रेरित और प्रोत्साहित करने की दिशा में किये जाने वाले गहन विचार-विमर्शों तथा प्रयासों का नेतृत्व किया है। ऐसे प्रयास किये गये, जिनके तहत जलवायु को हानि पहुंचाए बिना तेज तथा गुणवत्तापूर्ण निर्माण में तेजी सुनिश्चित करने का लक्ष्य हासिल किया जा सके। ■

प्रथम मदन लाल खुराना मेमोरियल व्याख्यान

'मदन लाल खुरानाजी ने दिल्ली के विकास के लिए कई कार्य किये'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 15 अक्टूबर, 2022 को नई दिल्ली के मुख्यमंत्री रहे स्वर्गीय मदन लाल खुराना जी की जन्मजयंती के अवसर पर नेहरू मेमोरियल ऑडिटोरियम में प्रथम मदन लाल खुराना मेमोरियल व्याख्यान को संबोधित किया और दिल्ली के विकास में आदरणीय मदन लाल खुराना जी के योगदान को याद करते हुए उन्हें दिल्ली में विकास का अग्रदूत बताया। कार्यक्रम में श्रीमती खुराना, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता और दिल्ली विधानसभा में विपक्ष के नेता श्री रामबीर सिंह बिधूड़ी के साथ-साथ पार्टी के कई सांसद, विधायक, पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी और सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

श्री नड्डा ने कहा कि मदन लाल खुराना जी ने कभी भी यह नहीं सोचा कि वे दिल्ली के मुख्यमंत्री भी बनेंगे, क्योंकि उस समय तो हम अपनी जमानत बचने पर खुश हो जाया करते थे। हम सब आदरणीय मदन लाल

खुराना जी के प्रारंभिक जीवन से परिचित हैं कि किस तरह उन्होंने दिल्ली, इलाहाबाद और श्रीनगर में अपनी शिक्षा ग्रहण की और फिर एक एक्टिविस्ट के रूप में अपने सार्वजनिक जीवन की शुरुआत की। वे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् से भी जुड़े थे। 11 में से 10 चुनाव उन्होंने जीते। वे तीन बार सांसद रहे। वे दिल्ली के मुख्यमंत्री रहे और केंद्र सरकार में संसदीय कार्य मंत्री भी रहे। बाद में वे राजस्थान के राज्यपाल भी बने।

उन्होंने कहा कि आदरणीय मदन लाल खुराना जी उन लोगों में से थे, जिन्होंने आपातकाल के दौरान देश में लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष किया और 19 महीनों तक जेल में भी बंद रहे।

श्री नड्डा ने कहा कि आदरणीय मदन लाल खुराना जी के पास संघर्ष की शक्ति थी, तो समस्याओं का समाधान भी था। चाहे गरीबों को राशन कार्ड देना हो, जल निगम को स्थापित करना हो या यमुना पार को मुख्यधारा में लाना हो, उन्होंने दिल्ली के विकास के लिए कई कार्य किये। उन्होंने तब मेट्रो की बात की, जब मेट्रो के बारे में लोगों की समझ भी विकसित नहीं हुई थी। उन्होंने दिल्ली के इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए कई कार्य किये। उनके भाषणों में मेट्रो का जिक्र अवश्य होता था। मदन लाल खुरानाजी लोगों के नेता थे। दिल्ली उनके दिल में बसी हुई थी। सच्चे अर्थों में कहें तो वे दिल्ली को जीते थे। उनके अथक प्रयासों से दिल्ली में 10 कॉलेज खुले और रिकॉर्ड समय में बनकर इनका संचालन भी शुरू हुआ। उन्होंने गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी भी बनाई। ■

एक सुरक्षित और संरक्षित दुनिया हमारी साझा जिम्मेदारी: नरेन्द्र मोदी

गत 18 अक्टूबर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली के प्रगति मैदान में 90वीं इंटरपोल महासभा को संबोधित किया। श्री मोदी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत अपनी स्वतंत्रता के 75वें वर्ष का उत्सव मना रहा है, जो लोगों और संस्कृतियों का उत्सव है। उन्होंने यह भी बताया कि इंटरपोल वर्ष 2023 में अपनी स्थापना के 100वें वर्ष का उत्सव मनाएगा।

90वीं इंटरपोल महासभा

श्री मोदी ने भारतीय संस्कृति के साथ इंटरपोल के दर्शन के संबंध पर प्रकाश डाला और इंटरपोल के 'एक सुरक्षित दुनिया के साथ पुलिस को जोड़ने' के आदर्श वाक्य के बीच समानता के बारे में बताया, जिसमें वेदों के उद्धरण 'आनो भद्रा क्रतवो यन्तु विश्वतः' यानी सभी दिशाओं से महान विचारों को आने दें। उन्होंने बताया कि यह दुनिया को एक बेहतर जगह बनाने के लिए सार्वभौमिक सहयोग का आह्वान है।

श्री मोदी ने यह भी कहा कि दुनिया भर में पुलिस बल न केवल लोगों की रक्षा कर रहे हैं, बल्कि सामाजिक कल्याण को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे किसी भी संकट की स्थिति में समाज की प्रतिक्रिया की अग्रिम पंक्ति में हैं।

उन्होंने कहा कि हमारे पुलिस बल संविधान द्वारा किए गए वादे के अनुसार लोगों की विविधता और अधिकारों का सम्मान करते हुए काम करते हैं। वे न केवल लोगों की रक्षा करते हैं, बल्कि हमारे लोकतंत्र की भी सेवा करते हैं। इंटरपोल की उपलब्धियों के बारे में चर्चा करते हुए श्री मोदी ने कहा कि इंटरपोल ने पिछले 99 वर्षों में 195 देशों में विश्व स्तर पर पुलिस संगठनों को जोड़ा है और इस गौरवशाली आयोजन को यादगार बनाने के लिए भारत सरकार एक स्मारक टिकट और सिक्का जारी कर रही है। उन्होंने कहा कि एक सुरक्षित और संरक्षित दुनिया हमारी साझा जिम्मेदारी है। जब अच्छी ताकतें सहयोग करती हैं, तो अपराध की ताकतें काम नहीं कर सकतीं। ■

राष्ट्रीयता कभी मानवता विरोधी नहीं होती

पं. दीनदयाल उपाध्याय

अपने सुख, हित और उन्नति के लिए व्यक्ति को न केवल अपने शरीर का, बल्कि मन, बुद्धि और आत्मा का भी विचार करना होगा, क्योंकि इन चारों का समुच्चय ही व्यक्ति है।

इसी के साथ हमने यह भी विचार किया था कि व्यक्ति केवल अकेली इकाई नहीं, वह एक सामाजिक प्राणी है। समाज के लिए उसका घनिष्ठ संबंध है। मनुष्य की बौद्धिक, धार्मिक, भौतिक, मानसिक, आध्यात्मिक मान्यताएं, मूल्य, आदर्श-सब समाज से मिलते हैं। इसलिए समाज को भुलाकर उसका विकास नहीं हो सकता।

परंतु यह एक विवाद है, और प्रश्न बना है कि व्यक्ति तथा समाज में कौन बड़ा है और दोनों में क्या संबंध है? कुछ लोग व्यक्ति को प्रमुखता देते हैं। दूसरे लोग कहते हैं कि समाज बड़ा है। समाज को अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति व्यक्ति द्वारा करवानी चाहिए। व्यक्ति की सभी गतिविधियां समाज की आवश्यकता के अनुरूप हों। यह विवाद बेमाने है। वास्तव में व्यक्ति और समाज का जीवमान संबंध है।

समाज क्या है?

मोटे रूप में समाज समूहवाचक संज्ञा की ध्वनि है। समाज वर्ग का द्योतक होता है। कुरसी एक वस्तु है और फर्नीचर समूहवाचक है। इसी प्रकार विद्यार्थी तथा क्लास का संबंध है। समाज भी व्यक्तियों के समूह को कहा जाएगा।

दूसरा प्रश्न होता है, समाज में कितने लोगों का कैसा समूह होना चाहिए? क्या व्यक्तियों के मिलने से ही समाज बन जाता है? क्या रोटरी क्लब, अंतरराष्ट्रीय क्लब, रजिस्टर्ड सोसाइटी समाज कहलाएंगे? क्या सिनेमा, रेलगाड़ी, मैच देखनेवाले दर्शक, बाज़ार की भीड़ समूह होने के कारण ही समाज कहे जाएंगे? क्या चार डाकुओं का गिरोह, जिसमें प्रेम-अनुशासन दोनों ही आते हैं, अपने वर्ग के लिए उत्सर्ग की भावना भी उनमें होती है, समाज कहलाएगा? वास्तव में यह समाज नहीं कहलाएगा।

समाज ऐसे मानवों का

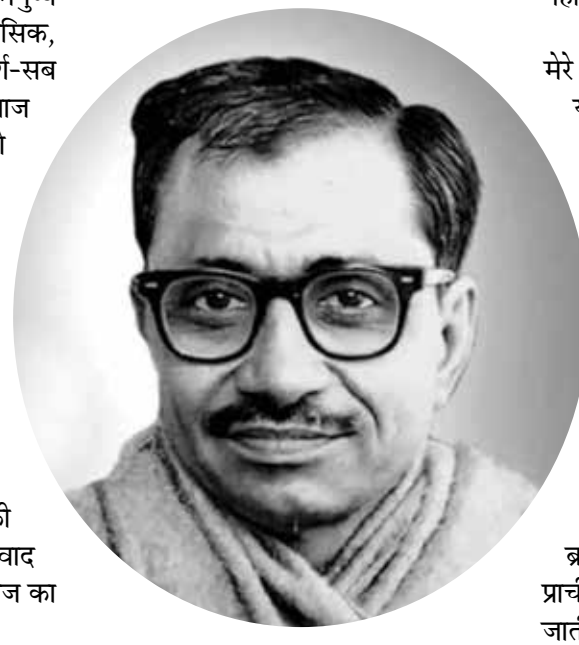

समूह है, जो बनता नहीं पैदा होता है। समाज बनावटी तरीक़ों से नहीं बनाया जा सकता। जिस प्रकार ज्वॉइंट स्टॉक कंपनी, रजिस्टर्ड सोसाइटी या अन्य सामाजिक, धार्मिक संस्थाएं बनती हैं, वैसे समाज नहीं बनाया जा सकता। हिंदू-अंग्रेज़ जर्मन सभी बैठकर, विधान बनाकर, निर्णय लेकर समाज का रूप नहीं दिया गया। ये सभी समाज तो आप ही पैदा हुए हैं।

समाज चैतन्यमान इकाई है, जीवमान इकाई है। इसे 'आर्गेनिक यूनिट' भी कहते हैं। घोड़ा तथा पेड़ जोड़-तोड़कर नहीं बनाए जा सकते। मोटर अलग-अलग पुर्जों को मिलाकर बनाई जाती है। पेड़ के लिए सबसे पहले अंकुर होता है, बाद में पौधा, तना, शाखा और फल-फूल इसी प्रकार समाज पैदा होता है। वह जीवमान इकाई है। आप 1 कंपनी, क्लब, चोरों डाकुओं का गिरोह बना सकते हैं, पर हिंदू-अंग्रेज जर्मन जापानी समाज को किसी ने बनाया है, ऐसा नहीं कह सकते।

अपने हाथ से भोजन करता हूं, उसका मेरे शरीर पर परिणाम होता है। परंतु मैंने या किसी ने इस शरीर को बनाया, यह कहना ग़लत है। हमारा शरीर जीवमान है हमारी प्रत्येक क्रिया का हमारे शरीर पर असर होता है, लेकिन शरीर पैदा होता है, बनाया नहीं जाता।

समाज की मर्यादा होती है। मानवों का समाज इकाई नहीं है। जिले के लोग, पार्टी के लोग इकाई नहीं होते। इकाई तो हम प्राचीन काल की जातियों को कह सकते हैं। ये आजकल की जातियां-ब्राह्मण, ठाकुर, बनिए से भिन्न होती हैं। प्राचीन जाति समाज का पर्याय रूप मानी जाती थी। हिंदू एक जाति है, इसे भगवान् ने किसी उद्देश्य से हो बनाया है। सृष्टि की प्रत्येक वस्तु किसी-न-किसी उद्देश्य से बनी है। कोई वस्तु निरर्थक नहीं है। आजकल कल-कारखानों में 'रेशनलाइजेशन', यानी बेकारों की छंटनी होती है। भगवान् भी सृष्टि की प्रत्येक वस्तु का 'रेशनलाइजेशन' करता रहता है।

बालक अपने बक्से में अनेक वस्तुएं इकट्ठी करता है। उपयोगी और अनुपयोगी की कल्पना उसे नहीं होती। बड़ा होने पर उसमें चयन करने की योग्यता आती है और वह काम की चीज रखता अन्य फेंक देता है। इसे हम 'लॉ ऑफ नेचुरल सेलेक्शन'

कहते हैं। ऐसे ही जातीय जीवन में भी होता है। जिस जाति की आवश्यकता नहीं होती है, वह जीवित रहती ही नहीं तो नष्ट हो जाती है। बेबीलोनिया, सीरिया, मिस्र आदि जातियां इसी प्रकार नष्ट हो गईं। जिसका काम बाक़ी है, वह जिंदा रहती है। जिसका काम समाप्त हो जाता है, वह मर जाता है।

भगवान् राम का नाम लेने से जो श्रद्धा और भक्ति के भाव पैदा होते हैं, वे केवल एसोसिएशन के कारण नहीं, वरन् एक इकाई होने के कारण होते हैं। पांव में कांटा लगते ही दिमाग को पता लग जाता है, क्योंकि हमारा संपूर्ण जीवन एक इकाई है, एक प्राण है। प्राण, जीवात्मा और आत्मा के अर्थ में अंतर है। लेकिन मोटे रूप में आत्मा, प्राण, जीव एक अर्थ में प्रयोग किए जाते हैं। जब तक शरीर में प्राण या जीव या आत्मा विद्यमान है, तब तक इसका अंग-प्रत्यंग सक्रिय रहता है। उसके समाप्त होने के बाद शरीर में कोई ताकत नहीं रहती।

समाज की भी ऐसी ही आत्मा होती है। उसे हम चिति कहते हैं। चिति का अर्थ चैतन्य होता है। एक जीवात्मा और दूसरी जीवात्मा में अंतर होता है। समाज में भी जिनकी एक चिति है। वह एक समाज है, जिनकी चिति अलग-अलग होती है वह समाज भी अलग-अलग होते हैं।

एक आत्मा या चितिवाला समाज जब एक भूमि पर रहता है तथा समाज और भूमि में माता-पुत्र का संबंध होता है। इसे हम राष्ट्र कहते हैं। राष्ट्र केवल करोड़ों लोगों का समूह मात्र नहीं। राष्ट्र तो पैदा होते हैं। राष्ट्र बनाए नहीं जाते।

हमारे देश में राष्ट्रीय एकता परिषद् बनी और विचार किया जाने लगा कि हमें अपने राष्ट्र को बनाना है। यह बात गलत है। राष्ट्र तो बना हुआ है, इसका विकास, उन्नति करने पर विचार किया जा सकता है। बहुत तर्क हुआ और लोग किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सके। इतने में चीन का आक्रमण हुआ सारे देश में एकता की भावना प्रकट हुई। हिमालय हमारा है। इसकी रक्षा हमें करनी है यह नारा सारे देश में बुलंद हुआ। द्रविड़ स्थान की मांग करनेवाले लोग भी कहने लगे, हिमालय का अपमान नहीं होने देंगे। सारे देश में राष्ट्रीयता का ज्वार आया। फिर उसी परिषद् की फिर बैठक हुई तो लोगों ने कहा कि चीन के हमले ने सिद्ध कर दिया है कि हम एक राष्ट्र हैं और वह राष्ट्रीय एकता परिषद् भंग कर दी गई। अतः राष्ट्र बनाया नहीं जाता, वह तो स्वतः पैदा होता है।

राष्ट्र के साथ हमारा संबंध मातृवत् है। क्योंकि व्यक्ति और समाज का संबंध अन्योन्याश्रित होता है। इसी के लिए जीवन देना त्याग कहलाता है। बंदा वैरागी का

एक आत्मा या चितिवाला समाज जब एक भूमि पर रहता है तथा समाज और भूमि में माता-पुत्र का संबंध होता है। इसे हम राष्ट्र कहते हैं। राष्ट्र केवल करोड़ों लोगों का समूह मात्र नहीं। राष्ट्र तो पैदा होते हैं। राष्ट्र बनाए नहीं जाते

जीवन देना, शहीद होना माना गया है। वहीं कई लोग कुतुब मीनार से कूदकर मरते हैं, उसे आत्महत्या कहा जाता है। एक राष्ट्र की आत्मा की रक्षा करने के लिए शहीद होता है और दूसरी आत्महत्या है। राष्ट्र की आत्मा का जीवन तथा जीवन पद्धति के साथ संबंध होता है। मां बच्चे को खिलाने में आनंद का अनुभव करती है। उसी प्रकार हमारा राष्ट्र के साथ संबंध है। इसके लिए सब कुछ करने में हमें आनंद होता है।

पागल मनुष्य कपड़े फेंक देता है तथा संन्यासी भी वस्त्र त्यागकर नंगा रहता है। पहले व्यक्ति को पागलखाने भेज दिया जाता है और दूसरे व्यक्ति के पांव छुए जाते हैं। पहले का समाज के साथ कोई संबंध नहीं रहता, दूसरा समाज सेवा का व्रत लिये होता है। राष्ट्र मानव जीवन की एक स्वाभाविक इकाई है। कई राष्ट्र मिलकर मानव जीवन बनता है।

आजकल नाप-तौल से ग्राम तथा मीटर की पद्धति चलती है। यह नाप-तौल की इकाई कहलाती है। इसी प्रकार राष्ट्र भी एक इकाई है। इसके छोटे टुकड़े जाति, धर्म हैं और वृहद भाग अनेक राष्ट्र हैं। राष्ट्र एक मौलिक इकाई होने से समाप्त नहीं किया जा सकता। वह प्राकृतिक रूप से समाप्त हो जाए तो बात दूसरी है। राष्ट्र को तोड़ने के प्रयास कइयों ने किए। इस्लाम ने कहा, संसार के मुसलमान एक हैं, पोप ने भी संसार में ईसाई धर्म के प्रचार की चेष्टा की, कम्युनिस्टों ने भी 'दुनिया के मजदूरों एक हो' का नारा लगाया और राष्ट्र-भावना समाप्त करने की चेष्टा की, लेकिन जब जर्मनी ने रूस पर आक्रमण किया, तब उसी रूस ने 'फादरलैंड' का नारा लगाया, तब युद्ध में विजय मिली। आज चीन और रूस का विरोध राष्ट्रवाद का विरोध है। दुनिया में राष्ट्रवाद की सत्ता ही प्रभावी रही है। दुनिया के सभी तत्त्वज्ञानों का उपयोग सब राष्ट्र अपने-अपने मतलब के लिए कर रहे हैं।

वास्तव में असली जोड़नेवाला तत्त्व राष्ट्र है। भिन्न-भिन्न राष्ट्र मिलकर मानव के सुख के लिए प्रयास कर सकते हैं। मैजिनी ने एक लेख में लिखा कि संगीत में सब वाद्य इकट्ठे हो जाते हैं। जैसे तबला, वीणा, मजीरा आदि। बैंड में भी बिगुल, ढोल, ड्रम आदि मिलकर एक साथ स्वर से स्वर मिलाकर बजते हैं। तभी ठीक लगता है। इसी प्रकार राष्ट्रीयता में भी एकरूपता लाई जाती है।

राष्ट्रों में एकरूपता के कारण मानव हित संपादित होता है। राष्ट्रीयता कभी मानवता विरोधी नहीं होती। जिस प्रकार जीभ दांतों के बीच रहती है, फिर भी दांतों द्वारा कटती नहीं, यदि ग़लती से कट भी जाती है तो दांत नहीं तोड़े जाते। इसी प्रकार चलते-चलते पैर नहीं टकराते, यदि कभी टकरा भी गए तो पांव को नहीं काटा जाता। राष्ट्र भी कभी-कभी गलती से आपस में टकरा जाते हैं और संघर्ष कर बैठते हैं, यह विकार के कारण है। यह स्वाभाविक अवस्था नहीं है। इस कारण राष्ट्र को ही समाप्त नहीं किया जा सकता। ■ क्रमशः

-संघ शिक्षा वर्ग, बौद्धिक वर्गः 27 मई, 1967

कमल पुष्प

सेवा, समर्पण, त्याग, संघर्ष एवं बलिदान

कभी हार न मानें

नि:स्वार्थ सेवा की कहानी
ठाकुर प्रताप सिंह जाट
सक्रिय वर्ष: 1965-2008
स्थान - राज्य / जिला - ग्वालियर, मध्य प्रदेश

भारतीय जनसंघ के समय से ठाकुर प्रताप सिंह जाट ने पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में काम किया। अपनी ईमानदार छवि एवं कुशल नेतृत्व के कारण आप हमेशा पार्टी के दायित्ववान कार्यकर्ता बनकर रहे और कई बार पार्टी की खातिर कई आंदोलनों में शामिल हुए। इनका जन्म ग्राम सिमरिया ताल तहसील डबरा जिला, ग्वालियर में हुआ। पार्टी के प्रति पूर्ण ईमानदारी तथा कर्तव्यनिष्ठ परायणता इनके मन में कूट-कूट कर भरी हुई थी। ■

मोदी स्टोरी

पर्यावरण मित्र नरेन्द्र मोदी

दिलीपभाई चौधरी

सचिव, सार्वजनिक विश्वविद्यालय, सूरत

श्री नरेन्द्र मोदी पर्यावरण के प्रति अपने प्रेम के लिए जाने जाते हैं। ऐसे कई अवसर आए हैं जब उन्होंने पर्यावरण को बचाने के लिए अपनी बात भी रखी है और पर्यावरण की चुनौतियों के समाधान को लेकर एक पुस्तक भी लिखी है।

सूरत में सार्वजनिक विश्वविद्यालय के सचिव श्री दिलीपभाई चौधरी एक ऐसी घटना का वर्णन करते हैं, जब श्री नरेन्द्र मोदी के विचार ने विश्वविद्यालय परिसर को पर्यावरण के अनुकूल बना दिया और ईंधन बचाने में भी मदद की।

2007 में गुजरात के मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर सार्वजनिक विश्वविद्यालय गये। श्री दिलीपभाई चौधरी के साथ बातचीत के दौरान उन्होंने छात्रों को प्रदान किए जाने वाले पाठ्यक्रमों और सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। इस बातचीत के दौरान श्री मोदी ने श्री चौधरी से सार्वजनिक विश्वविद्यालय के परिसरों की संख्या के बारे में जानकारी ली। जिस पर श्री चौधरी ने बताया कि विश्वविद्यालय के 4 परिसर हैं।

तुरंत श्री मोदी के दिमाग में एक विचार आया और उन्होंने कहा कि आप तेल बचा सकते हैं और पर्यावरण भी बचा सकते हैं। अपने विचार का विस्तार करते हुए उन्होंने कहा कि चूंकि आपके पास 4 परिसर हैं, आप अलग-अलग परिसरों के लिए अलग-अलग दिन तय कर सकते हैं और इसे 'नो व्हीकल डे' घोषित कर सकते हैं। जैसे एक परिसर के लिए यह सोमवार को हो सकता है और अन्य के लिए यह सप्ताह के तीन अलग-अलग दिनों में हो सकता है।

उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि इन दिनों सभी पैदल चलें या साइकिल उपयोग करें और यह नियम अधिकारियों से लेकर छात्रों और प्राचार्य तक सभी पर लागू होना चाहिए।

श्री नरेन्द्र मोदी ने यह भी कहा कि आप अपने परिसर में 'नो व्हीकल डे' का पालन करना सुनिश्चित करें, क्योंकि ऐसा करने से आप बहुत अधिक ईंधन की बचत करेंगे और परिसर को पर्यावरण के अनुकूल भी बनाएंगे।

श्री चौधरी ने आगे बताते है कि श्री मोदी का विचार इतना प्रेरक था कि हर कोई अगले साल से परिसर में 'नो व्हीकल डे' को लागू करने के लिए तैयार हो गया। आज भी, सार्वजनिक विश्वविद्यालय के सभी चार परिसरों में एक सप्ताह में एक दिन 'नो व्हीकल डे' का पालन किया जाता है और सभी स्टाफ सदस्य, प्रिंसिपल और छात्र या तो परिसर से पैदल या साइकिल से जाते हैं।

श्री चौधरी ने कहा कि इससे न केवल विश्वविद्यालय में प्रदूषण कम हुआ, बल्कि सप्ताह में एक दिन भी वाहन का उपयोग न करके हमें ईंधन बचाने में भी मदद मिली। पर्यावरण के मोर्चे पर अन्य पहल करते हुए सार्वजनिक विश्वविद्यालय ने अपने वार्षिक आयोजनों के दौरान परिसर और उसके आसपास के क्षेत्र को भी साफ करना शुरू कर दिया। ■

भारत अपने सांस्कृतिक और पारंपरिक उत्थान की कर रहा है घोषणा: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड के माणा में 3400 करोड़ रुपये से अधिक की सड़क और रोपवे परियोजनाओं की आधारशिला रखी

गत 21 अक्टूबर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तराखंड के माणा में 3400 करोड़ रुपये से अधिक की सड़क और रोपवे परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इससे पहले दिन में प्रधानमंत्री ने केदारनाथ जाकर श्री केदारनाथ मंदिर में दर्शन और पूजा-अर्चना की। वे आदि गुरु शंकराचार्य समाधि स्थल भी गए और मंदाकिनी आस्था पथ तथा सरस्वती आस्था पथ पर चल रहे कार्यों की समीक्षा की। श्री मोदी बद्रीनाथ भी गए और श्री बद्रीनाथ मंदिर में दर्शन एवं पूजा-अर्चना की। इसके बाद उन्होंने अलकनंदा रिवरफ्रंट पर चल रहे कार्यों की समीक्षा की।

सीमा के पास रहने वाले लोग देश के मजबूत रक्षक

सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज बाबा केदार और बद्री विशाल के दर्शन करके मन प्रसन्न हो गया, जीवन धन्य हो गया और ये क्षण चिरंजीवी हो गए। श्री मोदी ने कहा कि माणा गांव, भारत के अंतिम गांव के रूप में जाना जाता है, लेकिन मेरे लिए सीमा पर बसा हर गांव, देश का पहला गांव है और सीमा के पास रहने वाले लोग देश के मजबूत रक्षक हैं।

उन्होंने कहा कि 21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास। आज उत्तराखंड इन दोनों स्तम्भों को मजबूत कर रहा है। श्री मोदी ने कहा कि उन्होंने केदारनाथ और बद्री विशाल के दर्शन से धन्य महसूस करने के बाद विकास परियोजनाओं की भी समीक्षा की, क्योंकि 130 करोड़ लोग भी मेरे लिए परमात्मा का ही रूप हैं।

दो रोपवे केदारनाथ से गौरीकुंड और हेमकुंड रोपवे के बारे में चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने बाबा केदारनाथ, बद्री विशाल और सिख गुरुओं के आशीर्वाद को इसकी प्रेरणा एवं प्रगति का श्रेय दिया। श्री मोदी ने कहा कि दुनिया भर के श्रद्धालु इस अभूतपूर्व पहल से खुश होंगे।

श्रमिकों के साथ बातचीत

प्रधानमंत्री ने इन परियोजनाओं में शामिल श्रमिकों और अन्य कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना की और इन कठिन परिस्थितियों में उनकी निष्ठा को स्वीकार किया। श्री मोदी ने कहा कि वे भगवान का काम कर रहे हैं, आप उनकी परवाह करें, उन्हें कभी भी केवल वेतनभोगी कर्मचारी न समझें, वे एक दिव्य परियोजना में योगदान दे रहे हैं। केदारनाथ में श्रमिकों के साथ अपनी बातचीत के बारे में बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह एक महान अनुभव था, जब कामगारों और इंजीनियरों ने अपने कार्यों की तुलना बाबा केदार की पूजा से की।

पिछले प्रयासों को याद करते हुए श्री मोदी ने कहा कि सोमनाथ मंदिर और राम मंदिर के निर्माण के दौरान जो हुआ वह सभी को याद है। उन्होंने कहा कि इन मंदिरों की जर्जर स्थिति गुलामी की मानसिकता का स्पष्ट संकेत है। श्री मोदी ने कहा कि इन तीर्थों तक जाने वाले रास्ते भी बेहद खराब स्थिति में थे।

उन्होंने कहा कि भारत के आध्यात्मिक केंद्र दशकों तक उपेक्षित रहे और यह पिछली सरकारों के स्वार्थ के कारण था। श्री मोदी ने कहा कि ये लोग भूल गए हैं कि करोड़ों भारतीयों के लिए इन आध्यात्मिक केंद्रों का क्या मतलब है।

> **आज काशी, उज्जैन, अयोध्या और कई अन्य आध्यात्मिक केंद्र अपने खोए हुए गौरव एवं विरासत को पुनः प्राप्त कर रहे हैं। केदारनाथ, बद्रीनाथ और हेमकुंड साहिब अनेक सेवाओं को प्रौद्योगिकी से जोड़ते हुए आस्था को धारण कर रहे हैं**

श्री मोदी ने कहा कि आज काशी, उज्जैन, अयोध्या और कई अन्य आध्यात्मिक केंद्र अपने खोए हुए गौरव एवं विरासत को पुनः प्राप्त कर रहे हैं। केदारनाथ, बद्रीनाथ और हेमकुंड साहिब अनेक सेवाओं को प्रौद्योगिकी से जोड़ते हुए आस्था को धारण कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर से गुजरात के पावागढ़ में मां कालिका मंदिर से देवी विंध्याचल कॉरिडोर तक, भारत अपने सांस्कृतिक और पारंपरिक उत्थान की घोषणा कर रहा है। श्री मोदी ने कहा कि तीर्थयात्रियों को आस्था के इन केंद्रों तक पहुंचने में आसानी होगी और जो सेवाएं शुरू की जा रही हैं, वे बुजुर्गों के जीवन को आसान बना देंगी।

उन्होंने कहा कि ये सुविधाएं पर्यटन को बढ़ाती हैं और पहाड़ी क्षेत्र में परिवहन को आसान बनाती हैं। इन दुर्गम क्षेत्रों में रसद में सुधार के लिए ड्रोन तैनात करने की भी योजना बनाई जा रही है। ■

सत्यमेव जयते—हमारा मूलमंत्र

शिव प्रकाश

भारतीय परम्परा में विजयदशमी भगवान श्रीराम की लंका अधिपति रावण के ऊपर विजय के प्रतीक के रूप में लंबे कालखंड से मनाया जाने वाला उत्सव है। देश के लाखों स्थानों पर इस दिन मेघनाथ एवं कुम्भकर्ण सहित राक्षस रूपी रावण के पुतलों का दहन करने की परम्परा है। इसके पूर्व शारदीय नवरात्रि के प्रारंभ से रामलीला के मंचन की परंपरा भी है। प्रभु श्रीराम की रावण पर यह विजय धर्म की अधर्म एवं सत्य की असत्य पर विजय के रूप में स्थापित है। उत्तर से दक्षिण, पूर्व से पश्चिम मनाया जाने वाला यह उत्सव इसी संदेश को स्थापित करता है। उत्तर से दक्षिण को जोड़ने वाली श्रीराम की यात्रा देश में एकात्मता का निर्माण करती है। विजयदशमी के पर्व पर शस्त्रों का पूजन, सीमाल्लंघन एवं नए कार्यों के शुभारंभ की परम्परा भी है। भारतीय संस्कृति में वीरत्व एवं पराक्रम भाव को समाज में जागृत करने के लिए शस्त्र पूजन का विशेष महत्व है। शस्त्र सन्नद्धता के इसी महत्व को प्रकट करने के लिए सभी देवी-देवता अपने हाथ में शस्त्र धारण किए हुए हैं। धर्म संस्थापना के उद्देश्य से अवतरित धनुर्धर भगवान श्रीराम एवं श्री कृष्ण के सुदर्शन चक्र से सम्पूर्ण विश्व परिचित हैं। चाणक्य ने कहा कि "शस्त्रेण रक्षिते राष्ट्रे, शास्त्र चिन्ता प्रवर्तते।" (शस्त्रों से सुसज्जित राष्ट्र में ही शास्त्रों की चिंता संभव है।) विश्व के श्रेष्ठतम ज्ञान की उदात्त धरोहर होने के बाद भी आवश्यक शस्त्र शक्ति न होने के कारण हमारी पराजय हुई, इसका इतिहास गवाह है। मुगल आक्रमणकारियों के आक्रमण से लेकर चीन के साथ हुए युद्ध इसी बात के साक्षी हैं।

1964 में भारतीय जनसंघ के पटना अधिवेशन में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने भारत परमाणु शक्ति से युक्त होना चाहिए, यह प्रस्ताव रखा था। अपने पड़ोसी देशों के शत्रुता पूर्ण व्यवहार को देखकर उन्होंने कहा था कि "भारत में सभी देवी-देवता शस्त्रधारी हैं, धर्म संस्थापक भगवान श्री कृष्ण सुदर्शन चक्र धारी हैं, तब भारत माता भी परमाणु बम धारी होनी चाहिए।" 1974 में प्रथम परमाणु विस्फोट एवं प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के नेतृत्व में 1998 के द्वितीय परमाणु विस्फोट के बाद हम विश्व में परमाणु शक्ति से युक्त शक्तिशाली राष्ट्र बने। वर्तमान में प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में भारत आधुनिक सैन्य शक्ति से सुसज्जित हो रहा है। तीनों सेनाओं में समन्वय, राफेल, तेजस जैसे लड़ाकू विमान सेना को उपलब्ध कराना, आत्मनिर्भरता के माध्यम से स्वदेशी रक्षा शास्त्रों का निर्माण, रक्षा क्षेत्र में आयात निर्भरता से हटकर निर्यातक देश बनना, सैनिक कल्याण के अनेक निर्णयों ने सेना में विश्वास जगाया है। सीमा सुरक्षा के लिए आवश्यक कठोर निर्णय करके एवं सर्जिकल स्ट्राइक के माध्यम से हमने विश्व में एक संदेश भी छोड़ा है। सैन्य क्षेत्र की इस उपलब्धि के कारण दुनिया हमको जिम्मेदार एवं सम्मानित राष्ट्र के रूप में देख रही है। देश के समस्त नागरिकों को अपनी सुरक्षा की प्रति गंभीरता का होना भी आवश्यक है। सभी युवक एवं युवतियों में आत्मसुरक्षा के कुछ प्रयोग सीखने से उनमें भी आत्मविश्वास का संचार होगा। सजग रहते हुए हमको यह प्रयास आगे भी जारी रखने होंगे। शस्त्र पूजा का यही संदेश है।

1964 में भारतीय जनसंघ के पटना अधिवेशन में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने भारत परमाणु शक्ति से युक्त होना चाहिए, यह प्रस्ताव रखा था। अपने पड़ोसी देशों के शत्रुता पूर्ण व्यवहार को देखकर उन्होंने कहा था कि "भारत में सभी देवी देवता शस्त्रधारी हैं, धर्म संस्थापक भगवान श्री कृष्ण सुदर्शन चक्र धारी हैं, तब भारत माता भी परमाणु बम धारी होनी चाहिए।" 1974 में प्रथम परमाणु विस्फोट एवं प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के नेतृत्व में 1998 के द्वितीय परमाणु विस्फोट के बाद हम विश्व में परमाणु शक्ति से युक्त शक्तिशाली राष्ट्र बने। वर्तमान में प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में भारत आधुनिक सैन्य शक्ति से सुसज्जित हो रहा है

विजयदशमी से पूर्व 9 दिन तक जगत-जननी आदिशक्ति मां के पूजन की परंपरा भी है। हमारे शास्त्रों में नारी शक्ति के महत्व को प्रकट करते हुए कहा है कि ''यत्र नार्यस्तु पूज्यंते रमंते तत्र देवताः।'' हमने स्त्री को पूजनीय मानकर देवी का रूप प्रदान किया। पतन अवस्था के कारण हमारे ही समाज में दासी जैसा व्यवहार भी देखने को मिला। समाज में मां की पूजा के अवसर पर यह संकल्प लेना होगा कि समाज में स्त्री को समान स्थान मिले। प्रगतिशीलता एवं आधुनिकता की होड़ में संस्कार का पक्ष पीछे न छूट जाए, इसका प्रयास करना होगा। भारत सहित संपूर्ण विश्व में नारी सशक्तीकरण के प्रयास चल रहे हैं। शिक्षा,आर्थिक एवं राजनीतिक क्षेत्र में समान भागीदारी,जागरूकता के प्रयास, तकनीकी ज्ञान, नौकरियों में समान अवसर सभी में समानता आवश्यक है। परिवार के निर्णयों में समान सहभागिता प्रकट होनी चाहिए। कुरीतियों से मुक्त समाज का वातावरण ऐसा

निर्माण हो कि स्त्री कहीं भी किसी भी समय अपने को सुरक्षित अनुभव करे। कुदृष्टि रखने वालों पर कानूनी कठोर कार्यवाही आवश्यक है। ईरान, अफगानिस्तान सहित अनेक देशों में महिला स्वतंत्रता के लिए चलने वाले आंदोलन की सार्थकता सिद्ध होनी चाहिए। नारी शक्ति की प्रगतिशीलता की बात करने वाले संगठनों को इस विषय पर मौन होने के बजाय सक्रियता दिखानी चाहिए। प्रधानमंत्री सुकन्या समृद्धि जैसी केंद्र सरकार की योजना सराहनीय है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी सरकार का तीन तलाक पर निर्णय महिला सशक्तीकरण की सराहनीय पहल है। मां के प्रति श्रद्धा एवं सम्मान का भाव समाज में निर्माण करने से नव दुर्गा पूजा सार्थक होगी।

नवदुर्गा में उपवास की परंपरा हमारे भक्ति भाव को प्रकट करती है। हमारी मान्यता है कि "भक्ति में ही शक्ति है।" नए अन्न के आगमन से पूर्व व्रत रखकर शरीर को सिद्ध करना है यह औषधीय विज्ञान है।

लोकतंत्र में जनशक्ति ही वास्तविक शक्ति है। वनवासी समाज को साथ लेकर रावण पर विजय का संदेश स्वीकार करते हुए हमें समाज के झुग्गी, झोपड़ी, ग्रामों एवं वनवासी क्षेत्रों में रहने वाले पिछड़े, गरीब समाज की सुप्त शक्ति को जागृत करना होगा। समाज को तोड़ने वाले विध्वंसक तत्वों को परास्त करना होगा

आंतरिक सुचिता शरीर के लिए आवश्यक है। आंतरिक स्वच्छता बढ़ाते हुए शरीर की प्रतिरोधक क्षमता का विकास हमको अनेक रोगों से लड़ने का सामर्थ्य प्रदान करता है, जिसके कारण आत्म शक्ति का विकास होता है। यह शक्ति ही हमको आंतरिक एवं बाह्य शत्रुओं से लड़ने की सामर्थ प्रदान करती है।

लोकतंत्र में जनशक्ति ही वास्तविक शक्ति है। वनवासी समाज को साथ लेकर रावण पर विजय का संदेश स्वीकार करते हुए हमें समाज के झुग्गी, झोपड़ी, ग्रामों एवं वनवासी क्षेत्रों में रहने वाले पिछड़े, गरीब समाज की सुप्त शक्ति को जागृत करना होगा। समाज को तोड़ने वाले विध्वंसक तत्वों को परास्त करना होगा। एकता एवं एकजुटता का भाव जागृत करते हुए सर्वत्र भारत माता के जय के उद्घोष को जगाना होगा। समरस, जागरूक सक्रिय समाज शक्ति ही देश की आधार शक्ति बनेगी।

धर्म की अधर्म पर, सत्य की असत्य पर, मानवता की दानवता पर विजय का यह सिद्धांत ही हमारी संस्कृति का मूल तत्व है। "सत्यमेव जयते" के रूप में मुखरित होने वाला मंत्र ही हमारी प्रेरणा है। अपनी संस्कृति का गौरव एवं स्वाभिमान लेकर हम भारत की शक्ति का जागरण करते हुए विश्वकल्याण में रत हों, यह विजयदशमी का संदेश है। ■

(लेखक भाजपा के राष्ट्रीय सह-संगठन महामंत्री हैं)

स्वदेशी ट्रेनर विमान एचटीटी-40 का अनावरण

एचटीटी-40 का उपयोग बुनियादी उड़ान प्रशिक्षण, एरोबेटिक्स, इंस्ट्रूमेंट फ्लाइंग और क्लोज फॉर्मेशन उड़ानों के लिए किया जाएगा, जबकि इसकी द्वितीयक भूमिकाओं में संरक्षा और रात की उड़ान शामिल होंगी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 19 अक्टूबर, 2022 को गुजरात के गांधीनगर में 12वें डेफएक्सपो के दौरान इंडिया पवेलियन में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) द्वारा डिजाइन एवं विकसित किए गए एक स्वदेशी ट्रेनर विमान एचटीटी-40 का अनावरण किया। इस अवसर पर रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह तथा गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्रभाई पटेल भी उपस्थित थे।

यह ट्रेनर विमान अत्याधुनिक समकालीन प्रणालियों से लैस है और इसे पायलट-अनुकूल सुविधाओं के साथ डिजाइन किया गया है। कुल 60 प्रतिशत से अधिक इन-हाउस पुर्जों और निजी उद्योग के सहयोग से निर्मित यह विमान 'आत्मनिर्भर भारत' के विजन का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

एचटीटी-40 का उपयोग बुनियादी उड़ान प्रशिक्षण, एरोबेटिक्स, इंस्ट्रूमेंट फ्लाइंग और क्लोज फॉर्मेशन उड़ानों के लिए किया जाएगा, जबकि इसकी द्वितीयक भूमिकाओं में संरक्षा और रात की उड़ान शामिल होंगी। यह भारतीय रक्षा सेवाओं की प्राथमिक प्रशिक्षण संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन की गई अत्याधुनिक तकनीक का एक प्रमाण है।

सावधानीपूर्वक परीक्षण किए गए टर्बो-प्रोप इंजन पर आधारित यह विमान नवीनतम एवियोनिक्स, एक वातानुकूलित केबिन और इजेक्शन सीटों से लैस है। इसमें पायलटों के चेंज-ओवर, हॉट-रीफ्यूलिंग और शॉर्ट-टर्नअराउंड टाइम जैसी अनूठी विशेषताएं हैं। प्रमाणन के लिए आवश्यक सभी परीक्षण इसकी पहली उड़ान से पहले रिकॉर्ड छह वर्षों में पूरे किए गए।

एचटीटी-40 ने सभी प्रणालीगत परीक्षण, सभी पीएसक्यूआर प्रदर्शन, गर्म मौसम, समुद्र स्तर और क्रॉस विंड परीक्षण और उपयोगकर्ता सहायता प्राप्त तकनीकी परीक्षण पूरे कर लिए हैं। इसने बारिश के पानी के प्रति अपनी प्रतिरोधक क्षमता का प्रदर्शन किया। सेंटर फॉर मिलिट्री एयरवर्थनेस एंड सर्टिफिकेशन (सीईएमआईएलएसी) से विमान के उड़ान के योग्य होने संबंधी अंतरिम मंजूरी प्राप्त की जाती है। ■

वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की मजबूत स्थिति

कई देश आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं— कुछ सॉवरेन डिफॉल्ट के कगार पर हैं और कुछ पहले ही डिफॉल्ट कर चुके हैं। दूसरी ओर, भारत विश्व में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनकर उभरा है। भारत अब सकल घरेलू उत्पाद के मापदंड में विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और निकट भविष्य में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है

गोपाल कृष्ण अग्रवाल

कोविड महामारी और रूस-यूक्रेन युद्ध ने वैश्विक स्तर पर आर्थिक मुद्दों को केंद्र में ला दिया है। कई देश आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं— कुछ सॉवरेन डिफॉल्ट के कगार पर हैं और कुछ पहले ही डिफॉल्ट कर चुके हैं। दूसरी ओर, भारत विश्व में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनकर उभरा है। भारत अब सकल घरेलू उत्पाद के मापदंड में विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और निकट भविष्य में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है।

इस स्थिति के कई सकारात्मक संकेतक हैं:

- खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई)- सेवाएं और विनिर्माण विस्तार मोड में हैं। सितंबर में सर्विस सेक्टर इंडेक्स (पीएमआई) 54.3 और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर (पीएमआई) 55.1 रहा।
- बैंक ऋण लगातार बढ़ रहा है- अगस्त में; साल दर साल वृद्धि का आंकड़ा 15.5 प्रतिशत है। यह पिछले 9 साल में सबसे ज्यादा है।
- बुनियादी ढांचे में केंद्र सरकार का खर्च लगातार बढ़ रहा है। पीएसयू का कैपेक्स एक्सपेंडिचर भी बढ़ रहा है।
- कॉपोरेट क्षेत्र का वार्षिक लाभ भी बढ़ रहा है।
- वर्तमान वर्ष में प्रत्यक्ष कर संग्रह में 24 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और सितंबर में जीएसटी संग्रह 1.47 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है।

साथ में कई महत्वपूर्ण रिकवरी ट्रैकर सकारात्मक संकेत दिखा रहे हैं:

- हवाई यातायात बढ़ रहा है
- खुदरा व्यापार और मनोरंजन के लिए आवागमन बढ़ रहा है

न केवल आर्थिक पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत किया गया है, बल्कि पिछले आठ वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी जी ने यह सुनिश्चित किया है कि प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी), जन धन खाते, आधार कार्ड जैसे प्रौद्योगिकी एकीकरण के माध्यम से सामाजिक कल्याण योजनाओं को भ्रष्टाचार से मुक्त किया जाए

- भारत का निर्यात मार्च में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया है और लगातार बढ़ रहा है
- रक्षा निर्यात क्षेत्र, भारत की सफलता की कहानी का उदाहरण है। घरेलू रूप से विकसित और निर्मित तेजस हवाई जहाज की बिक्री अन्य देशों में की जा रही है
- शहरों का यातायात वापस सड़क पर आ रहा है

आर्थिक विकास की संभावनाओं का विश्लेषण अकेले चुनौतियों के माध्यम से नहीं किया जा सकता है, बल्कि यह उन्हें नियामित करने वाले संस्थानों की मजबूती पर निर्भर करता है। हमारे सामने चुनौतियां हैं लेकिन हमारी ताकत भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई), सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक (पीएसबी), भारतीय दिवालियापन और शोधन अक्षमता बोर्ड (आईबीबीआई) आदि जैसे संस्थान हैं, जिनको सरकार द्वारा पिछले कुछ वर्षों में स्वतंत्र और काफी निर्णायक बनाया गया है।

यह सब इसलिए संभव हो पा रहा है क्योंकि आज मजबूत नेतृत्व वाली एक निर्णायक सरकार केंद्र में है, जो राष्ट्रहित में फैसले ले रही है, चाहे वैश्विक दबाव के बावजूद राष्ट्रहित में कच्चे तेल की रूस, यूक्रेन और ईरान से खरीद नीति हो या अन्य देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार रुपये के माध्यम से करने की बात हो, मजबूत और पूर्ण रूप से पूंजीकृत पीएसबी बैंकों की दिशा में काम करना हो या गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) के समाधान के लिए पारिस्थितिकी तंत्र बनाना हो। इसके अतिरिक्त भारतीय दिवालियापन और शोधन अक्षमता बोर्ड (आईबीबीआई) और राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के माध्यम से व्यवस्थाओं को पारदर्शी एवं कानून आधारित बनाया जा रहा है।

न केवल आर्थिक पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत किया गया है, बल्कि पिछले आठ वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी जी ने यह सुनिश्चित किया

है कि प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी), जन धन खाते, आधार कार्ड जैसे प्रौद्योगिकी एकीकरण के माध्यम से सामाजिक कल्याण योजनाओं को भ्रष्टाचार से मुक्त किया जाए। सरकार ने यह भी सुनिश्चित किया है कि प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों का लीकेज प्रूफ संग्रह हो, जिसका प्रमाण है कि कर दरों में कमी के बावजूद भी कर संग्रह में वृद्धि हो रही है।

नई लॉजिस्टिक नीति, रेल मार्गों, राष्ट्रीय राजमार्गों और ग्रामीण सड़कों की राष्ट्रव्यापी कनेक्टिविटी, सागरमाला जैसे जलमार्ग और नए हवाई अड्डे, वायुमार्ग, डिजिटल इंडिया के तहत की गई पहलों जैसे— भूमि रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण, डेटा पारदर्शिता आदि विश्व में अद्वितीय डिजिटल अर्थव्यवस्था का निर्माण कर रही हैं। वर्तमान में भारत दुनिया में सबसे अधिक डिजिटल लेनदेन कर रहा हैं। अकेले सितंबर, 22 में 678 करोड़ लेनदेन हुए हैं, जिसका सकल मूल्य लगभग 11.84 लाख करोड़ रुपये है। भारत भर में पंचायत स्तर पर लगभग 6,25,000 गांवों में इंटरनेट पहुंचाया गया है। 5जी सेवाओं की शुरुआत भी की जा रही है।

उपर्युक्त पहलों के साथ देश के सामने आने वाली सभी आर्थिक चुनौतियों का सामना करने के लिए हम बेहतर स्थिति में है। हालांकि, महंगाई एक बड़ी चुनौती है, लेकिन यह नियंत्रण में है। भारत में महंगाई दर लगभग 7 प्रतिशत पर है, जो अमेरिका और यूरोपीय के विकसित देशों की तुलना में बहुत कम है और रिजर्व बैंक इसे 6 प्रतिशत के अपने लक्षित स्तर तक लाने के लिए काम कर रहा है। मुद्रास्फीति की चुनौती का सामना करने के लिए, जो समाज के गरीब वर्गों को बहुत अधिक प्रभावित करती है, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सामाजिक कल्याण योजनाएं महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रही हैं। सरकार की ऐसी प्रमुख योजनाएं हैं— पीएम किसान सम्मान निधि, आयुष्मान भारत, पीएम आवास योजना, मनरेगा के तहत 200 दिन का वेतन, भारत के लोगों को 220 करोड़ से अधिक मुफ्त टीकाकरण, लगभग 80 करोड़ लोगों को नियमित आधार पर मुफ्त राशन आदि की मदद कर रही हैं। महामारी के बाद दुनिया भर के संस्थानों द्वारा प्रधानमंत्रीजी के सामाजिक कल्याण कार्यों की सराहना की गई है।

देश की कामकाजी आबादी को रोजगार उपलब्ध कराने की चुनौती से निपटने के लिए सराकर द्वारा उद्यमिता और स्वरोजगार को बढ़ावा दिया जा रहा है, ऐसे व्यापारों को सरकारी सहायता भी दी जा रही है। आसान शर्तों पर एमएसएमई को ऋण सहायता प्रदान करना; 45 करोड़ से अधिक छोटे उद्यमियों को मुद्रा ऋण; प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम के तहत लगभग 13 मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर्स को 4 लाख करोड़ रुपये का सहयोग दिया जा रहा है। सरकार ने घरेलू निर्माताओं से रक्षा उपकरणों की 65 प्रतिशत खरीद का लक्ष्य रखा है। साथ में

देश की कामकाजी आबादी को रोजगार उपलब्ध कराने की चुनौती से निपटने के लिए सराकर द्वारा उद्यमिता और स्वरोजगार को बढ़ावा दिया जा रहा है, ऐसे व्यापारों को सरकारी सहायता भी दी जा रही है। आसान शर्तों पर एमएसएमई को ऋण सहायता प्रदान करना; 45 करोड़ से अधिक छोटे उद्यमियों को मुद्रा ऋण; प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम के तहत लगभग 13 मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर्स को 4 लाख करोड़ रुपये का सहयोग दिया जा रहा है। सरकार ने घरेलू निर्माताओं से रक्षा उपकरणों की 65 प्रतिशत खरीद का लक्ष्य रखा है। साथ में सभी 200 करोड़ रुपये से कम के सरकारी टेंडर केवल घरेलू कंपनियों के लिए आरक्षित रखे गये हैं

सभी 200 करोड़ रुपये से कम के सरकारी टेंडर केवल घरेलू कंपनियों के लिए आरक्षित रखे गये हैं। लोगों को मिशन मोड में 10 लाख सरकारी नौकरियां दी जा रही हैं। पिछले कुछ वर्षों में अकेले भारत ने मजबूत स्टार्ट-अप पारिस्थितिकी तंत्र के साथ 100 यूनिकॉर्न विकसित किये हैं।

स्वतंत्रता के बाद भारत के आर्थिक विकास के मॉडल को मैं तीन चरणों में देखता हूं। पहला, 1947 से कांग्रेस सरकार का विफल समाजवाद है, जहां निजी उद्यमिता को हतोत्साहित किया गया था और बैंकिंग से लेकर एयरलाइंस, रिफाइनरी, बीमा आदि तक बहुत से संस्थानों को राष्ट्रीयकृत किया गया, जिसने देश की अर्थव्यवस्था को 1991 तक खतरे में ला दिया था। दूसरा चरण, 2004 से 2014 के दौरान यूपीए सरकार का क्रोनी सोशलिज्म था, जहां सरकारी कामकाज के हर क्षेत्र में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और लीकेज को देखा गया और यह सब समाज कल्याण के नाम पर किया जा रहा था। तीसरा चरण, सुधार उन्मुख एनडीए सरकार के कार्यकाल में देखा गया, जो पहले अटलजी के नेतृत्व में और अब श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में कार्य कर रही है। हमारी सरकार देश को भ्रष्टाचार मुक्त, पारदर्शी और मुक्त बाजार अर्थव्यवस्था के मार्ग पर ले जा रही है।

हाल ही में देश ने राहुल गांधी के भ्रष्ट समाजवादी रवैये को देखा है; सार्वजनिक रूप से उद्योगपतियों को गाली देना और पर्दे के पीछे उनके साथ घुलना-मिलना, और अरविंद केजरीवाल का भ्रष्टाचार; जैसे बिजली सब्सिडी घोटाला, दिल्ली जल बोर्ड घोटाला, शराब आबकारी नीति और इलेक्ट्रिक बसों की खरीद आदि में भ्रष्टाचार।

हमारे पास प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का एक मजबूत और निर्णायक नेतृत्व है, जिन्होंने समाज के सभी वर्गों (अंत्योदय) के कल्याण के साथ एक बढ़ती और सशक्त अर्थव्यवस्था सुनिश्चित की है। ■

(लेखक भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता हैं)

भारत शांति, सुरक्षा, स्थिरता, विकास एवं समृद्धि की तलाश में अफ्रीकी देशों के साथ एकजुट है: राजनाथ सिंह

भारत-अफ्रीका रक्षा वार्ता (आईएडीडी) 18 अक्टूबर, को गांधीनगर, गुजरात में डेफएक्सपो 2022 के मौके पर आयोजित की गई। यह संवाद भारत-अफ्रीका रक्षा वार्ता के मुख्य विषय 'अडॉप्टिंग स्ट्रेटेजी फ़ॉर सिनरजाइज़िंग एंड स्ट्रेंथनिंग डिफेंस एंड सिक्योरिटी कोऑपरेशन' के विभिन्न आयामों को सफलतापूर्वक सामने लाया।

मुख्य भाषण देते हुए रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने आईएडीडी के विषय को भारत और अफ्रीकी देशों की अंतर्निहित प्रतिबद्धता के रूप में परिभाषित किया, जिसमें क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण, साइबर सुरक्षा, समुद्री सुरक्षा एवं आतंकवाद का मुकाबला करने सहित रक्षा कार्यों के लिए अभिसरण के नए क्षेत्रों का पता लगाना शामिल है।

उन्होंने भारत और अफ्रीकी देशों को विशेष रूप से हिंद महासागर क्षेत्र में एक संरक्षित एवं सुरक्षित समुद्री वातावरण सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण साझीदार करार दिया। श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि दोनों पक्ष अनेक क्षेत्रीय निकायों में एक साथ काम करते हैं, जो साझा सुरक्षा चिंताओं से निपटने में समावेशी और रचनात्मक सहयोग को बढ़ावा देते हैं और शांति व समृद्धि के रास्ते में आने वाली आम चुनौतियों का समाधान प्रस्तुत करते हैं।

इस बात पर जोर देते हुए कि भारत और अफ्रीका एक बहुआयामी रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग संबंध साझा करते हैं, रक्षा मंत्री ने संघर्ष, आतंकवाद और हिंसक उग्रवाद की चुनौतियों से निपटने के लिए अफ्रीका को भारत का साथ दोहराया। उन्होंने कहा कि भारत शांति, सुरक्षा, स्थिरता, विकास एवं समृद्धि की तलाश में अफ्रीकी देशों के साथ एकजुट है।

रक्षा मंत्री ने भारत-अफ्रीकी संबंधों को आर्थिक, राजनयिक और रक्षा क्षेत्रों को कवर करने वाले बहुआयामी संबंधों के रूप में व्यक्त किया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत और अफ्रीका एक मजबूत साझेदारी साझा करते हैं, जो 'सागर' (क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास) के सहकारी ढांचे पर आधारित है, जो कि 'वसुधैव कुटुम्बकम' (विश्व एक परिवार है) के प्राचीन लोकाचार पर आधारित है। ■

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बनें

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

नाम : .....

पूरा पता : .....

.....

..... पिन : .....

दूरभाष : ..... मोबाइल : (1)..... (2).....

ईमेल : .....

सदस्यता						
	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/-	☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/-	☐

(भुगतान विवरण)

चेक/ड्राफ्ट क्र. :..... दिनांक :..... बैंक : .....

नोट : डीडी / चेक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

(हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003

फोन: 011-23381428 फैक्स: 011-23387887 ईमेल: kamalsandesh@yahoo.co.in

कमल संदेश: राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

उज्जैन (मध्य प्रदेश) में 11 अक्टूबर, 2022 को महाकाल लोक परियोजना (पहला चरण) राष्ट्र को समर्पण करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

ऊना (हिमाचल प्रदेश) में 13 अक्टूबर, 2022 को अपनी यात्रा के दौरान आम लोगों से मिलते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में 16 अक्टूबर, 2022 को देश के 75 जिलों में 75 डिजिटल बैंकिंग इकाइयां राष्ट्र को समर्पित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में 17 अक्टूबर, 2022 को भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में पीएम किसान सम्मान सम्मेलन 2022 के उद्घाटन के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में 18 अक्टूबर, 2022 को आयोजित 90वीं इंटरपोल महासभा की बैठक के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

कमल संदेश
अब इंटरनेट पर भी उपलब्ध
लॉग इन करें:
www.kamalsandesh.org
राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

@Kamal.Sandesh
@KamalSandesh
kamal.sandesh
KamalSandeshLive

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह
डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली **"रजिस्टर्ड"**
36 पृष्ठ कवर सहित
आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953
डी.एल. (एस)-17/3264/2021-23
Licence to Post without Prepayment
Licence No. U(S)-41/2021-23

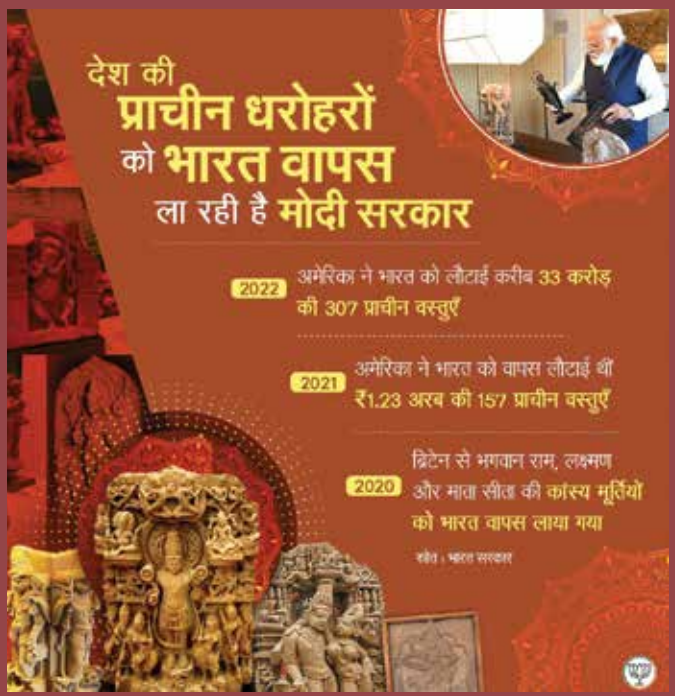

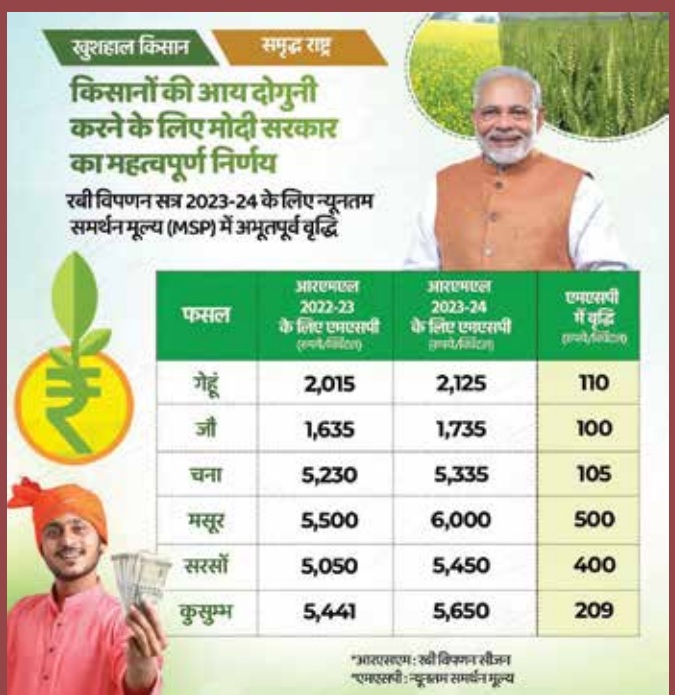

आवरण: अजय कुमार सिंह